सब का सपना

निष्पक्ष व निडर-हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी निगाहः- पेज 8

अल्लू अर्जुन के साथ दिखेंगी प्रियंका चोपड़ा! :- पेज 8

वर्ष : 01 | अंकः 03 | शनिवार- 05 अप्रैल 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्यः 4 रुपए

न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड के जरिए प्राप्त धन को जब्त करने के खिलाफ फैसले पर पुनर्विचार से इनकार किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने 2018 की चुनावी बॉण्ड योजना के तहत राजनीतिक दलों को मिले 16,518 करोड़ रुपये जब्त करने का निर्देश देने संबंधी याचिकाओं को खारिज करने के फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के दो अगस्त, 2024 के फैसले के खिलाफ खेम सिंह भाटी द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी।

उच्चतम न्यायालय ने तब इस योजना के तहत प्राप्त धन को जब्त करने के अनुरोध संबंधी याचिका को खारिज कर दिया था। पीठ ने 26 मार्च को कहा, हस्ताक्षरित आदेश के अनुसार समीक्षा याचिका खारिज की जाती है। यदि कोई लंबित आवेदन है, तो उसका निपटारा कर दिया जाएगा। हाल में उपलब्ध कराए गए उच्चतम न्यायालय के आदेश में मामले में खुली अदालत में सुनवाई के लिए भाटी के अनुरोध को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार द्वारा शुरू की गई राजनीतिक वित्तपोषण की चुनावी बॉण्ड योजना को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को रद्द कर दिया था। उच्चतम

न्यायालय के फैसले के बाद, योजना के अंतर्गत अधिकृत वित्तीय संस्थान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आंकड़ों को निर्वाचन आयोग के साथ साझा किया, जिसने बाद में इसे सार्वजनिक कर दिया।

चुनावी बॉण्ड योजना, जिसे सरकार द्वारा दो जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया गया था, को राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान के विकल्प के रूप में पेश किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड योजना की अदालत की निगरानी में जांच के अनुरोध वाली कई याचिकाओं को पिछले वर्ष दो अगस्त को खारिज करते हुए कहा था कि वह रोविंग इनक्वायरी (मामले से असंबद्ध जांच) का आदेश नहीं दे सकता। समीक्षा याचिका में कहा गया था कि 15 फरवरी, 2024 को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन करने के कारण इस योजना को असंवैधानिक ठहराया था।

याचिका में दलील दी गई कि, चुनावी बॉण्ड योजना और विभिन्न वैधानिक प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने का प्रभाव यह है कि उक्त योजना कभी अस्तित्व में ही नहीं थी और यह शुरू से ही अमान्य है तथा कानून की यह स्थापित स्थिति है कि न्यायालय केवल कानून का अनुपालन करता है, कानून नहीं बनाता है। पुनर्विचार याचिका में दावा किया गया कि दो अगस्त, 2024 के फैसले ने ह्यह्यएडीआर के फैसले को अप्रत्यक्ष रूप से संशोधित कर दिया।

- समीक्षा याचिका में कहा गया था कि 15 फरवरी, 2024 को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन करने के कारण इस योजना को असंवैधानिक ठहराया था।

संक्षिप्त समाचार

मंत्रिमंडल ने रेलवे की 18,658 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने शुक्रवार को रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनकी कुल लागत लगभग 18,658 करोड़ रुपये है। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में फैली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 1,247 किलोमीटर की वृद्धि होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन परियोजनाओं में संबलपुर-जरापदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन के बीच तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा के बीच पांचवी और छठी लाइन और गोंदिया-बलहारशाह मार्ग का दोहरीकरण शामिल है। सरकार के मुताबिक इन परियोजनाओं से रेलगाड़ियों की गति में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे बेहतर दक्षता से युक्त और विश्वसनीय सेवा मुहैया करा सकेगी। विज्ञप्ति के मुताबिक ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास होगा। इसमें कहा गया कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगा, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सरकार के मुताबिक ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाई हैं और लोगों की आवाजाही और वस्तुओं तथा सेवाओं के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

शैक्षणिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देशभर में शैक्षणिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाने पर जोर देते हुए शुक्रवार को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय का कोई भी काम नहीं रुकेगा। मुख्यमंत्री ने यह बयान दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में उनके सम्मान में आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने अपने छात्र जीवन को याद किया और दौलत राम कॉलेज को उन्हें एक नेता के रूप में ढालने का श्रेय दिया। गुप्ता ने बताया कि उन्होंने 1993 में दौलत राम कॉलेज में प्रवेश लिया था और एक साल तक चली हड़ताल के कारण उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के प्रतिनिधियों से संपर्क करना पड़ा था।

उन्होंने बताया कि इसकी वजह अंततः उनका संपर्क अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से हुआ और वह अपने पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में डूसू अध्यक्ष चुनी गईं। मुख्यमंत्री ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वह स्कूटी पर सवार होकर डीयू से संबद्ध महाविद्यालयों और दिल्ली भर में राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करती थीं। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कुलपति कार्यालय में खड़ी होऊंगी, जहां मैंने कभी विरोध प्रदर्शन किया था, और अब मंच से सभा को संबोधित करूंगी। मुख्यमंत्री ने डीयू के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ पूरा करेंगी। उन्होंने दिल्ली में मौजूदा पर्यटक आकर्षणों के साथ-साथ शैक्षिक पर्यटन को बढ़ावा देने के अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया। मुख्यमंत्री ने उन दिनों को याद किया जब उन्हें अपने शिक्षकों से डांट पड़ती थी। उन्होंने उन विरोध प्रदर्शनों को याद किया जिसके कारण वह एबीवीपी से जुड़ी।

वक्फ संशोधन विधेयक

एक ऐतिहासिक क्षण है संसद की मंजूरी: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने की सराहना की और कहा कि यह कदम सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए मददगार होगा जो लंबे समय से हाशिये पर हैं, जिन्हें आवाज उठाने और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट में कहा कि दशकों से वक्फ प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी का पर्याय बन गई है, जिससे विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों और पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का संसद के दोनों सदनों में पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे और लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करेंगे।

उन्होंने कहा, हम प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह हम एक मजबूत, अधिक समावेशी भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने संसद के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने संसदीय और समिति की चचाओं में भाग लिया, अपने दृष्टिकोण व्यक्त किए और इन कानूनों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। उन्होंने संसदीय समिति को बहुमूल्य सुझाव भेजने वाले अनगिनत लोगों का भी विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, एक बार फिर, व्यापक बहस और संवाद का महत्व साबित हुआ है।

वर्षों से जारी अन्याय खत्म होगा: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दिए जाने से वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार समाप्त होगा तथा न्याय और समानता के युग का आरंभ होगा। शाह की यह टिप्पणी राज्यसभा द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के कुछ समय बाद आई। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विधेयक को मंजूरी दी थी। उन्होंने सोशल मडिया मंच एक्स पर लिखा, आज एक ऐतिहासिक दिन है, जब संसद ने ह्यवक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को स्वीकृति देकर वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत किया है और न्याय व समानता के युग की शुरुआत की है। गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्ति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होने वाली हैं। इससे निश्चित ही मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, करोड़ों लोगों को न्याय देने वाले इस महत्त्वपूर्ण विधेयक के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू को बधाई देता हूं। साथ ही, इसका समर्थन करने वाले सभी दलों व सांसदों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस के एक सांसद ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की वैधता को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की और दावा किया कि यह संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है।याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधेयक में वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन पर रमनमाने प्रतिबंधर लगाने के प्रावधान किये गये हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होगी।

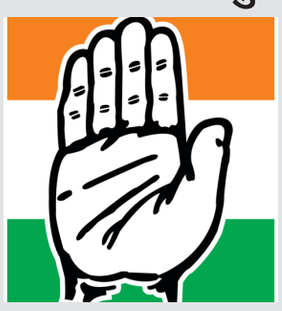

अधिवक्ता अनस तनवीर के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि विधेयक में मुस्लिम समुदाय से भेदभाव किया गया है, क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों में मौजूद नहीं हैं। राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया। लोकसभा ने तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन, जबकि 232 ने विरोध किया।

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने आठ न्यायिक अधिकारियों को उच्च न्यायालय में प्रोन्नत करने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने आठ न्यायिक अधिकारियों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक अधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में कॉलेजियम की दो अप्रैल को हुई बैठक में इस आशय की मंजूरी दी गई। बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने दो अप्रैल, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में निम्नलिखित न्यायिक अधिकारियों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बयान के मुताबिक, जिन अधिकारियों को पदोन्नत करने की मंजूरी दी गई है उनमें जितेन्द्र कुमार सिन्हा, अब्दुल शाहिद, अनिल कुमार, तेज प्रताप तिवारी, संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह और हरवीर सिंह शामिल हैं।

कृष्ण जन्मभूमि मामला

न्यायालय ने मामले एकीकृत करने के आदेश के खिलाफ याचिका पर नोटिस जारी किए

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने मथुरा के कृष्ण जन्मभू-मि-शाही ईदगाह विवाद में हिंदू पक्ष से संबंधित सभी वाद को एकीकृत करने के इलाहबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर मस्जिद कमेटी की याचिका पर शुक्रवार को नोटिस जारी किए।

उच्च न्यायालय ने पिछले साल 23 अक्टूबर को शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट की प्रबंधन समिति की एक अर्जी खारिज कर दी थी, जिसमें 11 जनवरी के अदालती आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। उक्त आदेश में, मामले में हिंदू पक्ष के सभी वाद को एक साथ जोड़ दिया गया था। पिछले वर्ष 19 मार्च को उच्चतम न्यायालय ने मस्जिद कमेटी से कहा था कि वह मामलों को जोड़ने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करे। इसके बाद कमेटी ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने मस्जिद कमेटी के वकील, और कुछ हिंदू वादी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की दलीलों पर गौर किया और नोटिस जारी किए। पीठ ने कहा कि सभी प्रतिवादियों को सात दिन के अंदर नोटिस भेजे जाएं।

मस्जिद कमेटी ने अपनी याचिका में ह्लभगवान श्रीकृष्ण विराजमानह्ल के अलावा 10 पक्षकारों को प्रतिवादी बनाया है।पीठ ने याचिका पर सुनवाई 8 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी, जब वह कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित मामलों पर सुनवाई करेगी।

यह विवाद मुगल बादशाह औरंगजेब के दौर की शाही ईदगाह मस्जिद से संबंधित है, जिसके बारे में हिंदू पक्ष का दावा है कि इसे भगवान कृष्ण के जन्म स्थान पर एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया था।

सियासत संसद के बजट सत्र के दौरान संसदीय नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप

भाजपा में समाया तानाशाही का डीएनए, सदन बना प्रधानमंत्री मोदी का दरबार : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संसद के बजट सत्र के दौरान संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया और दावा किया कि सत्तारूढ़ दल में तानाशाही का डीएनए का समा गया है तथा सदन जनता का न होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दरबार बन गया है।

लोकसभा में पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की एक टिप्पणी का उल्लेख किए जाने को लेकर पलटवार किया और कहा कि क्या भाजपा के लिए नियम-कानून नहीं हैं?

सूत्रों का कहना है कि इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष की रस्मी जलपान बैठक से दूरी बनाई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख

सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पारित किए जाने पर उनकी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण और संसदीय लोकतंत्र की मयार्दा के अनुरूप नहीं है।

राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने पार्टी संसदीय दल की बैठक में यह आरोप लगाया था कि वक्फ (संशोधन) विधेयक,2025 को जबरन पारित किया गया और यह विधेयक संविधान पर सरेआम हमला है।

बजट सत्र के आखिरी दिन, सदन में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू द्वारा सोनिया की टिप्पणी का उल्लेख किए जाने के बाद बिरला ने यह भी कहा कि एक वरिष्ठ सांसद द्वारा लोकसभा की कार्यवाही पर प्रश्न उठाना उचित नहीं है।

गोगोई ने इसका उल्लेख करते हुए संवाददाताओं से कहा, ऐसा लगता है कि सदन धीरे-धीरे भारत की जनता का सदन नहीं, नरेन्द्र मोदी का दरबार बन गया है क्योंकि सदन में मोदी की जयकार स्वीकृत हैं, लेकिन जब जरूरी विषय पर सरकार की नीतियों की आलोचना होती है, तब सत्ता पक्ष कूटनीतियों से सदन को स्थगित करता है और जवाबदेही से भागता है।

कांग्रेस ने शुरू किया मनमोहन सिंह फेलो प्रोग्राम

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह के नाम पर शुक्रवार को एक फेलो प्रोग्राम की शुरुआत की, जिसके तहत देश भर से 50 पेशेवरों का चयन किया जाएगा और उन्हें पार्टी के भीतर प्रशिक्षित करके भविष्य के नेता के रूप में तैयार किया जाएगा। पार्टी के विभाग ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस ने इस कार्यक्रम घोषणा की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, राहुल गांधी अब समय आ गया है कि भारत के सबसे प्रतिभाशाली दिमाग राजनीति में अपनी शक्ति लाएं। डॉ. मनमोहन सिंह फेलो प्रोग्राम पेशेवरों के लिए हमारा आह्वान है, सार्वजनिक जीवन में कदम रखें, ईमानदारी के साथ आगे बढ़ें और एक प्रगतिशील एवं समावेशी भारत के निर्माण में मदद करें। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नीति निर्माण और राजनीति में प्रभाव डालने के इच्छुक पेशेवरों का स्वागत करती है। डॉ. मनमोहन सिंह फेलो प्रोग्राम एक ऐसे राजनीतिक नेतृत्व का सृजनकर्ता है, जो राजनीति में एक विशेष, उच्च प्रभाव वाला मार्ग प्रदान करता है।

जिलाधिकारी ने पंचायती राज कार्य व कंपोजिट विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहाः जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा विकासखंड धनौरा की ग्राम पंचायत ढयौटी का पंचायती राज विभाग के कार्यों व कंपोजिट विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत जिला अधिकारी ने आरसी सेंटर, वर्मी कंपोस्ट सेंटर, पंचायत घर, लाइब्रेरी, सामुदायिक शौचालय, कंपोजिट विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, अन्नपूर्णा भवन, तालाब का मौके पर जाकर निरीक्षण कर संबंधित से आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी ली । आरसी सेंटर का निरीक्षण करने पर अपूर्ण सेंटर को शीघ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम प्रधान से कूड़ा कलेक्शन की जानकारी लेकर घर घर कूड़ा एकत्र करने के निर्देश दिए। कहा लोगों को प्रेरित करें और यूजर चार्ज भी वसूलें। समूह की महिलाओं द्वारा संचालित वर्मी कम्पोष्ट सेंटर का निरीक्षण कर केचुए से खाद बनाये जाने की प्रक्रिया लागत खाद की विक्री की जानकारी ली और ऑर्गेनिक व जैविक खेती के बारे में अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही जैविक खाद की विक्रय कर पंचायत की आमदनी का स्रोत बनाने के निर्देश दिए। पंचायत घर का निरीक्षण करने पर क्रियाशील ना होने पर जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंदर्यकरण कराकर जल्द क्रियाशील किए जाने के निर्देश दिए।

उसके बाद लाइब्रेरी का निरीक्षण कर अध्ययनरत बच्चों से सवाल जवाब कर प्रकाश की व्यवस्था अच्छी करने और अधिक से अधिक बच्चों को लाइब्रेरी में लाकर शिक्षा देने के निर्देश दिए।

कंपोजिट विद्यालय के निरीक्षण करने पर जिला अधिकारी ने शिक्षक गणों से पठन-पाठन की स्थिति जानी और बच्चों से सवाल-जब कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के निर्देश शिक्षकों को दिए। कहा बच्चे पढ़ लिख कर क्या बनोगे इस बारे में भी बच्चों से पूछा जाए और अच्छी मेहनत करने के प्रति प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने बच्चों से पढ़ लिख कर क्या बनोगे आपका लक्ष्य क्या है जानकारी लेकर एक लक्ष्य चुनने के प्रति प्रेरित किया ।

आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने पर बच्चों की कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की साथ ही शिक्षण और खेल सामग्री का प्रयोग न किए जाने पर आंगनबाड़ी सहायिकाओं पर नाराजगी व्यक्त कर अधिक से अधिक बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र में लाकर पढ़ाने के निर्देश दिए। जिला अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि पोषण किट समय से बच्चों और महिलाओं को दे दिया जाए। बच्चों का मोबाइल पर फीड किये जाने वाला डाटा अपडेट रहे। गर्भवती धात्री महिलाओं का टीकाकरण समय से सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने बाल विकास परियोजना अधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्र का पुनः निरीक्षण कर 15 दिन के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर साफ सफाई कराकर क्रियाशील किए जाने के निर्देश साथ ही केयरटेकर की जांच करने के भी निर्देश दिया है। अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण करने पर जिलाधिकारी ने कहा कि चावल गेहूं के अलावा अन्य 35 सामग्री जो शासन के निर्देश के अनुसार अन्नपूर्णा भवन में दी जानी है उसको भी रखकर लोगों को दिया जाए । पंचायती राज विभाग द्वारा विकसित किये जा रहे 3 स्तरीय संरचना वाले ६२स्त्र(वेस्टव स्टेबलाईजेशन पॉण्ड) के कार्य को मौके पर जाकर देखा और आवश्यक बिंदुओं पर जिला पंचायत राज अधिकारी से जानकारी लेकर मछली पालन का कार्य किये जाने के निर्देश दिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान ज्योति सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम के हाथों वरिष्ठ पत्रकार भीम मनोहर सम्मानित

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ । ताज होटल में आयोजित दैनिक भास्कर के पत्रकार समारोह में प्रदेश के चुनिंदा पत्रकारों को बुधवार को आमंत्रित किया गया साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ नकद रकम देकर सम्मानित किया गया। बरेली के पत्रकार भीम मनोहर को नेशनल लेविल की ईओडी खबर देने के लिए सम्मानित किया गया है। भीम मनोहर को डिप्टी सीएम से सम्मानित होने पर बरेली के पत्रकारों में बेहद खुशी है। कल बरेली में एक कार्यक्रम प्रस्तावित है जहां बरेली के पत्रकार उनका लखनऊ से लौटने पर भीम मनोहर का स्वागत करेंगे। । इस कार्यक्रम में बरेली के दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार भीम मनोहर को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने उनके पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर और सटीक , निष्पक्ष खबरों के योगदान के लिए सम्मानित किया गया। हालांकि पत्रकार भीम मनोहर की कई नेशनल और इंटरनेशनल पर कई खबर सुर्खियां बटोर चुकी है। जिसमें कोविड हॉस्पिटल में झरना , साइको किलर , बरेली में दिखे एलियन जैसी खबरों ने वाहवाही लूट चुकी है।भीम मनोहर को सम्मान से नवाजने की खबर से बरेली के पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने का दौर शुरू हो गया। बरेली के पत्रकारों ने इस उपलब्धि को अपने शहर की पत्रकारिता की ताकत के रूप में देखा और भीम मनोहर को इस सम्मान के लिए हार्दिक बधाई दी।

क्या होगा बेचारे पतियों का? सुहागरात पर पत्नी बोली मुझे हाथ मत लगाना

सुहागरात पर पत्नी ने दिया जोर का झटका, पति बोला पत्नी करती है किसी और से प्यार, पारिवारिक दबाव में की मुझसे शादी हाथ लगाने पर देती है झूठे आरोप में फसाने की धमकी पीड़ित ने पुलिस से लगाई मदद की गुहार

» सब का सपना संवाददाता

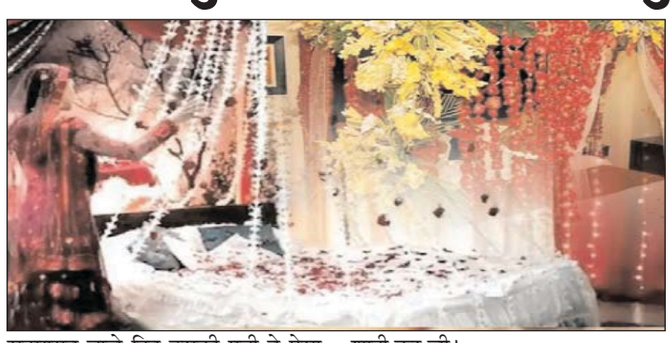

बरेली। एक अजब गजब मामला संज्ञान में आया जहां एक पति शादी के बाद सुहागरात पर अपनी पत्नी द्वारा प्रताड़ित है,

क्या है पूरा मामला आपको बताते चलें,एक नवविवाहित युवक की शादी की सुहागरात वाले दिन उसकी पत्नी ने ऐसा जोर का झटका दिया की उसके होश उड़ गए। सुहागरात की रात जब पति अपनी पत्नी के पास बैठा तो पत्नी ने उसे छूने तक से मना कर दिया। युवक का आरोप है की उसकी पत्नी ने शादी की पहली ही रात स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि उसने उसे छूने की कोशिश की तो वह जहर खा लेगी। लड़की ने बताया वह इस शादी को राजी नहीं थी।परिवार ने दबाव डाला तो तुमसे शादी कर ली।

बतादें, पीड़ित युवक की शादी इसी साल जनवरी में हुई थी, लेकिन शादी के तुरंत बाद ही पत्नी ने उससे दूरी बना ली। उसने बताया कि उसकी पत्नी पहले से ही किसी और से प्रेम करती है और परिवार के दबाव में आकर उसने शादी के लिए सहमति दी थी। पत्नी ने यह भी चेतावनी दी कि यदि पति ने जबरदस्ती करने की कोशिश की, तो वह आत्महत्या कर लेगीझूठे आरोप में फंसाने की दी धमकी

जब युवक ने इस संबंध में अपनी ससुरालवालों को जानकारी दी, तो उन्होंने न केवल उसकी बात को अनसुना कर दिया, बल्कि उसे धमकाने लगे। युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी और उसके परिवार के लोग उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। पत्नी कभी आत्महत्या करने की धमकी देती है, तो कभी उसके पिता पर झूठे आरोप लगाने की चेतावनी देती है। पत्नी की प्रताड़ना से आहत होकर युवक ने इस मामले चार लोगों के खिलाफ बारादरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पत्नी समेत चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक का कहना है कि शादी के बाद से ही उसके घर में तनाव का माहौल बना हुआ है और उसकी मां, जो दिल की मरीज हैं, इस स्थिति से बेहद परेशान हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और कानूनी कार्रवाई जारी है।

लगातार पुलिस की कार्यवाही, नहीं आ रही मादक पदार्थो की मंडी में मंदी

33 ग्राम अवैध स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार,3 .3 लाख रुपए आकीं जा रही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत

» सब का सपना संवाददाता

बरेली। फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 33 ग्राम अवैध स्मैक और एक टच स्क्रीन मोबाइल बरामद किया। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3.3 लाख रुपये आंकी जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, बीती रात 02/03 अप्रैल 2025 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति ग्राम पढेरा और कादरगंज तिराहे के पास नशे का सौदा कर रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने अपना नाम मोहम्मद नवी (38 वर्ष) झ निवासी ग्राम कादरगंज, थाना फतेहगंज पूर्वी। जिसके कब्जे से 16 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।दूसरे ने अपना नाम साबिर उर्फ पप्पू (58 वर्ष) झ निवासी ग्राम कादरगंज, थाना फतेहगंज पूर्वी बताया इसके पास से कब्जे से 17 ग्राम अवैध स्मैक और एक टच मोबाइल बरामद किया गया है। पकड़े गए स्मैक तस्करों ने पूछताछ में कबूल बताया की उन्होंने एक माह पहले झारखंड के एक ट्रक ड्राइवर से स्मैक खरीदी थी, जिसका नाम और पता उन्हें याद नहीं। इसके बाद वे ट्रक ड्राइवरों और राहगीरों को नशा बेचकर मुनाफा कमाते थे।

कहावत सिद्ध हो गई, नमाज पढ़ने गए रोजे गले पड़ गए

चोरी के आरोप में फरार अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

» सब का सपना संवाददाता

बरेली । मामला सीबीगंज थाना क्षेत्र का है जहां चोरी के प्रयास में पकड़ा गया एक आरोपी अब अवैध शराब के साथ गिरफ्तार हुआ है। सीबीगंज पुलिस ने बीती रात गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे ईएसआई अस्पताल के पास दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान सत्यपाल यादव पुत्र पूरनलाल यादव निवासी खलीलपुर, सीबीगंज के रूप में हुई है। यह वही व्यक्ति है, जिसे कुछ दिन पहले आईटीआर मार्केट, सीबीगंज में मोटरसाइकिल चोरी का प्रयास करते हुए देखा गया था। तब पीड़ित ने उसे पहचान लिया था, लेकिन वह भाग निकला था।

पुलिस के अनुसार, 03 अप्रैल की रात करीब 1:10 बजे जब पुलिस टीम गश्त पर थी, तब सत्यपाल यादव गल्ला गोदाम की ओर से आता दिखा। हाथ में एक जरीकेन लिए हुए वह तेजी से चल रहा था। शक होने पर पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और जब जरीकेन खोलकर देखा, तो उसमें से कच्ची शराब की तेज गंध आई। पूछताछ में आरोपी शराब का लाइसेंस नहीं दिखा सका। पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान मानवाधिकार आयोग के निदेर्शों का पूरा पालन किया गया और परिवार को सूचित कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है और उसके अन्य मामलों में संलिप्तता की जांच की जा रही है ।

न्यूज ब्रीफ

आरके पब्लिक स्कूल में परीक्षा फल वितरण

अमरोहा। राधा कृष्ण पब्लिक स्कूल का वार्षिक शैक्षणिक-परिणाम वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय संरक्षक अजय टण्डन, अध्यक्षा अदिती टण्डन एवं प्रधानाचार्या डा0 शिक्षा सरदाना द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में समस्त कक्षा में उत्तीर्ण प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थीओं को ट्राफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय संरक्षक श्री अजय टंडन, अध्यक्षा अदिती टंडन ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने दायित्व का निर्वाह करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या डा0 शिक्षा सरदाना व उप-प्रधानाचार्य रिंकू संक्सेना ने समस्त अभिभावको का अभिवादन करते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छ घाट प्रतियोगिता में गजरौला नगर पालिका प्रथम श्रेणी आने पर मनाई खुशी

गजरौला/नगर पालिका परिषद, गजरौला का चयन स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अन्तर्गत वर्ष 2024 में विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियानों यथा स्स्वच्छता ही सेवास्स एवं स्स्वच्छ घाट प्रतियोगितास्स में प्रथम श्रेणी में होने पर चेयरपर्सन व उनके पति पूर्व विधायक को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई गयी। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष राजेंद्री उर्फ उमा, नगर स्वच्छता प्रेरक विधायक हरपाल सिंह तथा अधिशासी अधिकारी / उपजिलाधिकारी चंद्रकांता तथा स्वच्छता प्रेरक आदेश कुमार द्वारा इस उपलब्धि पर समस्त सम्मानित नागरिकों, समस्त सभासदों व समस्त नगर पालिका स्टॉफ व सफाई कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह उपलब्धि प्राप्त हुयी है। भविष्य में भी नगर पालिका परिषद, गजरौला द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं को प्रदान करते हुये अपने शहर को स्वच्छता तथा अन्य मानको पर निरन्तर शहर का चहुमुखी विकास किया जायेगा तथा स्मार्ट सिटी के तौर पर पूरे देश में एक अलग पहचान कायम की जायेगी।

गन्ना सहकारी समितियों पर मनमानी का आरोप लगा भाकियू शंकर ने जताया विरोध

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा। गन्ना सहकारी समितियों द्वारा मनमानी करते हुए किसानों को उर्वरक के साथ नैनो यूरिया व नैनों डीएपी को जबरदस्ती देने का भाकियू शंकर ने आरोप लगाया। और कहा कि सहकारी समितियों की इस हठधर्मिता के चलते जनपद के किसान परेशान हैं। किसानों की शिकायत मिलने पर भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ब्रहस्पतिवार को गन्ना सहकारी समिति पर पहुंचे, जहां पर किसानों को जबरन नैनों यूरिया व नैनों डीएपी दिया जा रहा था। जिसका उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए इस पर रोक लगाने को कहा है, वहीं उन्होंने गन्ना सहकारी समितियों की इस मनमानी पर रोक न लगाने की स्थिति में गन्ना सहकारी समितियों पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इस दौरान संगठन के चौधरी धर्मेंद्र सिंह चौधरी सतवीर सिंहमा जगत सिंह चौहान चौधरी धर्मवीर सिंह चौधरी नेमपाल सिंह विक्रम पवार राजवीर गुर्जर अक्खतव सुखबीर सिंह भगत जी ललित जाटव राकेश रतनपुर अशोक चौधरी बबीता रानीदर्जनों कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद रहे।

ट्रैक्टर चालक के साथ की मारपीट

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला। भूसे लदी ट्रैक्टर ट्राली की साइड लग जाने से डीसीएम चालक व उसके साथियो ने आपा खो दिया। उन्होंने ट्रैक्टर चालक व उसके पिता के साथ मारपीट की। चालक ने ईख के खेत में छिपकर अपनी जान बचाई। गंभीर रूप से चालक के पिता को सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहा से उसे बेहतर उपचार के लिये हॉयर सेंटर भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर निवासी ट्रैक्टर ट्रॉली चालक रुस्तम अपने पिता रहीसुद्दीन के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फौंदापुर की तरफ जा रहा था। गुरुवार की दोपहर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर जैसे ही वह फौंदापुर गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राली की साइड डीसीएम में लग गई। इसके बाद डीसीएम चालक और ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के बीच तीखी नोकझोक होने लगी, डीसीएम चालक ने अपने साथियो को बुला लिया और ट्रैक्टर चालक रुस्तम व उसके पिता रहीमसुद्दीन पर जानलेवा हमला कर दिया। रूस्तम ने किसी तरह ईख के खेत में छिपकर जान बचाई, मगर डीसीएम चालक पक्ष के लोगों ने उसके पिता को मारपीट करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

चीनी मिल चन्दनपुर में अंधता निवारण सप्ताह दिवस के क्रम में नेत्र शिविर का किया गया आयोजन

» मनोज शर्मा/सब का सपना

रहरा/अमरोहाः त्रिवेणी इंजीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि0 चन्दनपुर में सी एल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट मुरादाबाद के तत्वावधान में एवं चीनी मिल चन्दनपुर के संयोजन से अंधता निवारण सप्ताह दिवस पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस शिविर में डाक्टर मोनिंदर भाटी, सत्यप्रकाश शर्मा, सौरभ राजसिंह, आयुष भटनागर नेत्र चिकित्सक एवं अन्य 8-10 नर्सिंग स्टॉफ दर्शन, महिमा, विपुल, संजना, सौरभ आदि उपस्थित रहे। पूरी टीम का नेतृत्व सत्यप्रकाश शर्मा, मार्केटिंग मैनेजर द्वारा किया गया। डॉक्टरों की टीम प्रातः लगभग 10.00 बजे चीनी मिल पहुंच गयी थी। चीनी मिल की ओर से चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा एवं अमेज कुमार सिंह, अपर महाप्रबन्धक (एच. आर. आर. एस. सहरावत, महाप्रबन्धक (गन्ना) टी.सी. रजौरिया, महाप्रबन्धक (उत्पादन) रवि गुप्ता, महाप्रबन्धक (इजीनियरिंग), उदयवीर सिंह, बाबूराम सैनी द्वारा टीम का स्वागत किया गया तथा अन्य औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए कैम्प का शुभारम्भ किया गया।

चीनी मिल में बहुत से अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कैम्प में उपस्थित डॉक्टरों से मिलकर अपनी आंखों से सम्बन्धी समस्याओं से अवगत कराकर उचित लाभ लिया। कैम्प मे नेत्र चिकित्सक द्वारा मशीन से आंखों का चेकअप कर आंखों के लिए उचित दवाई एवं ड्राप आदि आंखों में डालने हेतु बताया। आंखों से पास एवं दूर के देखने की समस्या वाले मरीजों के लिये चश्मा लगाने हेतु कहा। सम्बन्धित विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त जांच की गई। डॉक्टर मोनिन्दर भाटी के द्वारा मरीजों को उनकी आंखों के प्रति सावधानियां बरतने हेतु एवं उसके बचाव हेतु विस्तार से समझाया तथा उसका उपचार भी बताया। सभी कर्मचारी इस नेत्र चिकित्सा कैम्प से अति प्रसन्न हुए और लगभग 150-200 लोगों ने सुविधा का अधिक से अधिक लाभ लिया। चीनी मिल में स्थित कालोनी में रहने वाले परिवारों की महिलाओं ने भी अपनी आंखों के प्रति सजग रहते हु जांच करायी तथा सम्बन्धित सलाह ली । अन्त में चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा, अमेज कुमार सिंह (एच. आर. हेड) एवं टी. सी. रजौरिया (महाप्रबन्धक उत्पादन), रवि गुप्ता, संजय जायसवाल द्वारा सभी डॉक्टर विशेषज्ञों एवं स्टॉफ का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद के साथ सम्मानित किया और कैम्प का समापन किया गया।

संपादकीय

प्रतिकूल परिस्थितियों को अवसर बनाए भारत

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए।

वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे।

भारतीय संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने के सियासी मायने को ऐसे समझिए

» कमलेश पांडेय

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

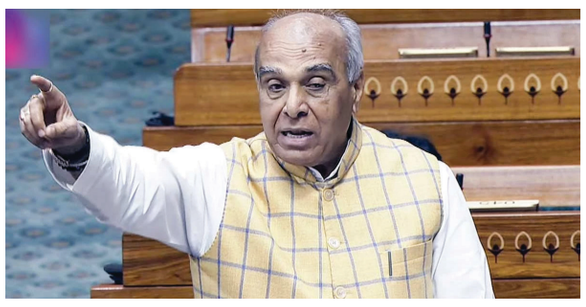

> राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि वक्फ सम्बन्धी नए कानून से एक ओर जहां पसमांदा यानी गरीब व कमजोर वर्ग के मुसलमानों को काफी फायदा मिलेगा, जिससे इंडिया गठबंधन के अल्प संख्यक मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव स्वाभाविक है।

भारतीय संसद के लोकसभा और राज्यसभा में दो दिवसीय उन्मुक्त चर्चा के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का पारित होना एक ऐसी महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है, जिसके दूरगामी सियासी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। देखा जाए तो इसके कई राजनीतिक मायने निकलकर सामने आ रहे हैं, जिससे भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (अब इंडिया गठबंधन) के बीच आम चुनाव 2029 में सीधी लड़ाई होगी।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि वक्फ सम्बन्धी नए कानून से एक ओर जहां पसमांदा यानी गरीब व कमजोर वर्ग के मुसलमानों को काफी फायदा मिलेगा, जिससे इंडिया गठबंधन के अल्पसंख्यक मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव स्वाभाविक है, वहीं दूसरी ओर वक्फ बोर्ड में व्याप्त वैधानिक अराजकता को नए संशोधन कानून द्वारा समाप्त किये जाने से हिंदुओं में यह आश्वस्ति भाव पनपेगी कि अब उनकी संपत्ति वक्फ बोर्ड के दांवपेचों से पूरी तरह से महफूज रहेगी। इससे राजग को मजबूती मिलना स्वाभाविक है। वहीं, 2029 के आम चुनाव से पूर्व होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट हो जाएगा कि राजग (एनडीए) के मुकाबले संप्रग (यूपीए) टिका रह पाएगा कि नहीं, क्योंकि 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां पर एनडीए और यूपीए (अब इंडिया गठबंधन) के बीच सीधा मुकाबला है। हिंदी पट्टी में भाजपा व उसके सहयोगियों के निरंतर मजबूत होते जाने की असली वजह कांग्रेस व उसके सहयोगियों की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है, जिससे हिन्दू जनमानस आहत होता आया है। वहीं, जातिवाद व क्षेत्रवाद की आड़ में हिंदुओं को कमजोर रखने की जो इनकी साजिश है, उसे भी लोग अब समझने लगे हैं।

यही वजह है कि बिहार समेत पूरे देश में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामूहिक जनहितैषी फैसलों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुस्लिमपरस्ती, जूठे जातीय प्रेम और अदूरदर्शिता भरे सियासी फैसलों से इनकी छवि धूमिल हुई है। बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम और उसपर मिले जनादेश इसी बात की तो चुगली करते हैं।

मजेदार बात तो यह है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 की आड़ में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के द्वारा अल्पसंख्यकों को भड़काने की जो योजना बनाई गई थी, उन्मुक्त संसदीय बहस से उसपर पानी फिर गया है। इस बहस के बाद पसमांदा यानी गरीब मुसलमान जहां एनडीए के पक्ष में आ गए हैं, वहीं पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान व अरब देशों की भाषा बोलने वाले अमीर मुसलमान अब अपनी ही कौम में अलग-थलग पड़ जाएंगे। क्योंकि मोदी सरकार की सबका साथ, सबका विकास वाली रणनीति से सबसे ज्यादा फायदा हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गरीबों को ही मिला है, जो अब एनडीए के मजबूत वोट बैंक बन चुके हैं। वहीं, राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और तीन तलाक जैसे कानूनों के उन्मूलन से अमीर मुसलमान ही भड़क रहे हैं और गरीब मुसलमानों को धर्म के नाम पर भड़का रहे हैं, जिसे गरीब मुसलमान अब समझने लगे हैं। इसलिए कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के मुस्लिम वोट बैंक का दरकना अब तय हो गया है, जिसका असर आपको बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ही दिखने लगेगा। अभी जदयू के मुस्लिम नेताओं में नीतीश कुमार के ताजा फैसले से जो रोष है, वह भी जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

वहीं, 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनावों के समय अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में भी चुनाव होंगे, जहां दोनों गठबंधनों की कड़ी परीक्षा होगी। इसके बाद वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी विधान सभा चुनाव होंगे, जो यह स्पष्ट कर देंगे कि अल्पसंख्यक एनडीए के साथ में हैं या उसके विरोध में इंडिया गठबंधन के साथ। क्योंकि इंडिया गठबंधन की आपसी सिरफुटौव्वल ही इसकी सबसे बड़ी बाधा थी, है और रहेगी।

यह वजह है कि पूरे देश में पिछले तीन संसदीय आमचुनावों से जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर मजबूत होता जा रहा है और एक के बाद दूसरे राज्य में भी चुनाव जीतते जा रहा है, वहीं इंडिया गठबंधन की इंजन पार्टी कांग्रेस को आम चुनाव 2024 में थोड़ी सी सियासी ऑक्सीजन क्या मिल गई, वह विभिन्न राज्यों में अपने गठबंधन सहयोगियों को ही कुचलने लगी। यदि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 मुसलमानों से जुड़ा मामला नहीं होता तो इंडिया गठबंधन की ताजा एकजुटता भी दिखाई नहीं पड़ती।

वहीं, राष्ट्रहित में और राष्ट्रवादी मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जो ताजातरीन अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है, वह उसके और अधिक मजबूत होने का ताजा सबूत है। क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर जदयू, टीडीपी, लोजपा आर और राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन पाना एक युगान्तकारी घटना है। इनके नेताओं ने संसद में विधेयक के समर्थन में जो शानदार दलीलें दी हैं, उससे पसमांदा मुसलमानों में भी भाजपा के प्रति नया प्यार उमड़ेगा, जो समकालीन राष्ट्रीय जरूरत भी है।

पूर्वोत्तर में सुरक्षा चुनौती को गंभीरता से लेने की जरूरत

» गुरबचन जगत

आज की मीडिया रिपोर्टों में बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस को उद्धृत करते बयान आए हैं, जो उन्होंने कथित तौर पर हाल ही में अपनी चीन यात्रा के दौरान दिए। उन्होंने बांग्लादेश के अलावा ह्यसेवन सिस्टर्सह्न (हमारे सात पूर्वोत्तर राज्य जिनके पास समुद्र तट नहीं लगता) सहित इस इलाके के विकास की परिकल्पना में इसको चीनी अर्थव्यवस्था और बांग्लादेश के बीच आर्थिक सहयोग का विस्तारित हिस्सा बनाए जाने की बात कही है, जिसमें बांग्लादेश और इसके बंदरगाह मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। इस किस्म की टिप्पणियों के साथ वे चिकन नेक क्षेत्र (जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर के रूप में भी जाना जाता है) यानी पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भूमि की वह संकरी पट्टी जो पूर्वोत्तर के राज्यों को शेष भारत से जोड़ती है, में व्याप्त भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। यूनुस इस समस्या में एक नया आयाम जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, मुझे यकीन है कि भारत सरकार ने पहले ही इस पर संज्ञान ले लिया होगा और किसी आकस्मिकता से निबटने के लिए रणनीति बनाने में लगी होगी। शेख हसीना शासनकाल के बाद, बांग्लादेश-भारत संबंधों की धुरी का एक दोस्ताना पड़ोसी एवं सहयोगी से बदलकर लगभग बैर वाली स्थिति तक में तब्दील हो जाना उस देश में उभरती राजनीति और पाकिस्तान की आईएसआई का उस पर प्रभाव दशार्ता है। पाकिस्तान न तो 1971 को भूला है (जब उसने पूर्वी पाकिस्तान खोया था) न ही कश्मीर में अपने असफल प्रयासों को। यहां मेरा उद्देश्य हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की अंदरूनी स्थिति को उजागर करना है। आज के अखबारों ने मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का कथित बयान भी छापा है, जिसमें उन्होंने दिवंगत पीए संगमा द्वारा संसद में 2014 में दिए एक भाषण का एक वीडियो साझा किया है, संगमा उसमें कथित तौर पर कुकी लैंड और क्षेत्र में अन्य छोटे-छोटे राज्य बनाने का समर्थन कर रहे हैं। बीरेन सिंह ने कहा कि आज भी मणिपुर के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि राज्य को अस्थिर किया जा सके। इस बयान पर मेघालय के मुख्यमंत्री और पीए संगमा के बेटे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अपने पिता का बचाव किया है। मैंने भविष्य में बांग्लादेश की संभावित भूमिका और हमारी अपनी आंतरिक खींचतान (महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों द्वारा दिए जा रहे असंयमित बयानों को देखते हुए) को सामने लाने के लिए गहरे उतरकर मनन किया है। 2023 तक और मणिपुर में हिंसा की शुरुआत होने तक, दशकों की अशांति और हिंसा के बाद पूर्वोत्तर में शांति कायम थी। नगालैंड में युद्ध विराम था और असम, अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर में निर्वाचित सरकारें थीं। भारत सरकार ने सेना, सुरक्षा बलों और पुलिस की मदद से क्षेत्र में शांति बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में सराहनीय काम किया था। पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच संवाद और एकीकरण में सुधार हुआ और क्षेत्र के लोग पढ़ाई और रोजगार के लिए दूसरे हिस्सों में जाने लगे। पर्यटन भी फलने-फूलने लगा। हालांकि, मणिपुर उच्च न्यायालय के एक फैसले में सिफारिश की गई कि राज्य सरकार को इस क्षेत्र के मुख्य समुदाय मैतेई को अनुसूचित जनजाति के रूप में शामिल करने के लिए भारत सरकार से कहना चाहिए और इस प्रकार की सकारात्मक कार्रवाई की अनुमति देनी चाहिए (जिसका एक अर्थ बाहरी लोगों द्वारा पहाड़ी इलाके में भूमि खरीद को खोलना भी निकलता है)।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

> देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर भी हैं रहस्यमय पर्यटन स्थल

» शिखर चंद जैन

दुनिया में कुछ पर्यटन स्थल बिल्कुल अजीबोगरीब और दंग कर देने वाले हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये मनुष्य द्वारा निर्मित नहीं बल्कि प्रकृति द्वारा निर्मित पर्यटन स्थल है। इन्हें देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक आते हैं।

ग्रैंड प्रिजमेटिक स्प्रिंग, येलो स्टोन पार्क

अमेरिका में मौजूद येलो स्टोन नेशनल पार्क में मौजूद है ग्रैंड प्रिजमेटिक स्प्रिंग। यह अमेरिका का सबसे बड़ा गर्म पानी का झरना है। इस झरने का रंग इंद्रधनुष जैसा है। ऑप्टिकल प्रिज्म से देखे जाने वाले रंगों से मेल खाने के कारण ही इसका नाम प्रिजमेटिक स्प्रिंग रखा गया है। इसके बीचो-बीच नीला पानी है जो धीरे-धीरे हरा, आगे चलकर नारंगी और फिर पीला हो जाता है।

जॉर्डन का वादी रम

चंद्रमा की घाटी के नाम से मशहूर वादी रम प्राकृतिक सौंदर्य का एक अनूठा उदाहरण है। यह दक्षिणी जॉर्डन में अकाबा के पूर्व में मौजूद है। यह घाटी बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट पत्थर के प्राकृतिक क्षरण के कारण बनी है। यहां दूर-दूर तक लाल बालू और चट्टानें नजर आएंगे। 717 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैली यह रेगिस्तान घाटी शानदार और नयनाभिराम दृश्य प्रस्तुत करती है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इसमें जगह-जगह आपको इस बालू के स्तूप भी नजर आएंगे। कई लोग तो इसे पृथ्वी पर मंगल ग्रह जैसा बताते हैं। यहां कई हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भी हो चुकी है जो मंगल ग्रह की थीम पर बनी है। कहते हैं यहां 12000 साल पहले लोगों का निवास था।

वाटनाजोकुल ग्लेशियर (आइसलैंड)

अद्भुत बफीर्ली गुफाओं से भरा क्षेत्र है वाटनाजोकुल ग्लेशियर। इसे यूरोप के सबसे बड़े ग्लेशियरों की सूची में रखा गया है। इस ग्लेशियर को आइस कैप के नाम से भी जाना जाता है। यूं तो यहां कई छोटी-बड़ी बफीर्ली गुफाएं मौजूद हैं लेकिन स्थाई गुफाएं दो हैं। यहां का नजारा आपको ऐसा लगेगा मानो या तो आप कोई एनीमेशन या हॉलीवुड फिल्म देख रहे हैं या फिर सपनों की दुनिया में खो गए हैं। दूर-दूर तक पसरी बर्फ और उस पर सूरज की रोशनी का अद्भुत प्रभाव आपको दंग कर देगा। यहां की कुछ गुफाएं तो हजार फुट तक लंबी है। यह क्षेत्र 7900 किलोमीटर के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है।

हान सोन डुंग (वियतनाम)

माना जाता है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफा है। इस गुफा के भीतर एक अजीबोगरीब दुनिया बसी हुई है। इसमें से तरह-तरह की आवाजें आती रहती हैं जिन्हें सुनकर लोग डर जाते हैं। यह गुफा 9 किलोमीटर लंबी, 200 मीटर चौड़ी और 150 मीटर ऊंची है। गुफा के भीतर न सिर्फ जंगल बल्कि बादल और नदी भी है। कहते हैं यह गुफा लाखों साल पुरानी है लेकिन पर्यटकों के लिए इसे 2013 से ही खोला गया है। यहां बहुत सीमित संख्या में लोगों का प्रवेश की अनुमति है। इसकी खोज 1991 में हो खानह नामक व्यक्ति ने की थी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान 2009 में हुई। इस गुफा में घूमने के लिए पहले 6 महीने की ट्रेनिंग लेनी पड़ती है जिसके तहत 10 किलोमीटर पैदल चलने और चट्टानों पर चढ़ने का नियमित अभ्यास कराया जाता है।

गुलाबी पानी की हीलर लेक

आपने नीले रंग का पानी देखा होगा, कांच की तरह पारदर्शी या कवक के कारण हरे पानी को भी देखा होगा। लेकिन किसी झील का पानी गुलाबी रंग का भी हो सकता है ऐसा न सुना होगा न देखा होगा। ऑस्ट्रेलिया की हीलर लेक पूरी दुनिया में अपने गुलाबी रंग के लिए मशहूर है। इस झील का आकार भले ही छोटा है लेकिन पर्यटकों के दिल में इसने बड़ी जगह बना ली है। झील चारों तरफ से हरी-भरी है क्योंकि यह पेपरबार्क और यूकेलिपटस के पेड़ों से घिरी हुई है। झील का गुलाबी रंग वास्तव में कवक और इसमें मौजूद बैक्टीरिया की वजह से है। इस झील में नमक की मात्रा बहुत ज्यादा है।

नव शैक्षिक सत्र के शुभारंभ पर जिलाधिकारी ने नव पंजीकृत छात्र एवं छात्राओं का रोली का टीका व फूल मालाओं से किया स्वागत

» सब का सपना संवाददाता

वहजोई/संभलः नव शैक्षिक सत्र 2025-26 जोकि एक अप्रैल से शुभारंभ हो चुका है। विद्यालयों में बच्चों का नामांकन शत प्रतिशत हो उसको लेकर जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखंड बनिया खेड़ा के प्राथमिक विद्यालय कैथल प्रथम तथा प्राथमिक विद्यालय कैथल द्वितीय का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय कैथल द्वितीय का निरीक्षण किया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा जिलाधिकारी को टीका लगाकर स्वागत किया।विद्यालय में बच्चों के प्रवेश समारोह का आयोजन किया गया जिसमें जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में नव पंजीकृत छात्र एवं छात्राओं का रोली का टीका लगाकर तथा फूल मालाओं से स्वागत किया तथा स्कूल ड्रेस एवं कॉपी आदि भी दी गयीं। । जिलाधिकारी ने कहा कि अध्यापक बच्चों को बच्चों की रूचि एवं गुणवत्ता के अनुसार पढायेंगे तो अभिभावक अपने बच्चों को आवश्य विद्यालय भेजेंगे।

सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता वाले अध्यापक होते हैं। प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के पढ़ने से बच्चों के माता पिता के धन की हानि होती है तथा विद्या के क्रय की भी संभावना बनी रहती है।जिलाधिकारी ने विद्यालय के बच्चों को कन्या सुमंगला योजना से संतृप्त करने तथा बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनवाने को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण किया तथा विद्यालय की चहारदीवारी तथा शेड को लेकर भी जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों के कंठस्थीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। विद्यालय में बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए भी निर्देशित किया। विद्यालय के बाहर नालियों को ढकने के लिए भी संबंधित को निर्देशित किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय कैथल प्रथम का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा नव पंजीकृत छात्र एवं छात्राओं को रोली का टीका लगाकर एवं फूल मालाएँ पहनाकर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने मिड डे मील की रसोई को चेक किया। विद्यालय में साफ सफाई एवं छतों को डैमप्रूफ कराने तथा वैदर शीट मैक्स पेंट कराने तथा बाला पेंटिंग को लेकर भी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।विद्यालय के बाहर की नाली को ढकने के लिए भी निर्देशित किया।जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केन्द्र को भी देखा तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों के बीच बैठकर पढाएं तथा क, ख, ग, घ के आधार पर बच्चों को शिक्षा दें।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय कैथल का निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी बच्चे स्कूल ड्रेस में आएं। कक्षाओं में चार्टों को व्यवस्थित रूप से लगाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मिड डे मील रसोई को भी चेक किया तथा गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा बच्चों की उपस्थित संख्या अव्यवस्थित मिलने पर जांच कराते हुए आवश्यक कार्यवाही कराने के लिए निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, ब्लॉक प्रमुख बनिया खेड़ा सुगंधा सिंह, खंड विकास अधिकारी बनिया खेड़ा कमलकांत डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार प्रधानाध्यापिका ,ग्राम प्रधान आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भड़काऊ भाषण देने वाले मौलाना को पाकिस्तान भेज देना चाहिए: पंडित दिनेश फलाहारी

» गोपाल अग्रवाल/ सब का सपना

मथुराः अलीगढ़ में जमीयत उलेमा का महानगर अध्यक्ष मुफ़्ती अकबर काशमी ने विवादित बयान दिया है। मौलाना ने कहा है कि वक्फ बोर्ड संशोधन को तुरंत वापस लिया जाए, वरना 1947 वाला नरसंहार हो सकता है। इस बयान के बाद हिंदुओं में रोष व्याप्त हो गया है और साधु संतों ने भी इसका विरोध किया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे और भोजन छोड़कर नंगे पैर रहकर तपस्या कर रहे पंडित दिनेश फलाहारी ने कहा है कि ऐसे मौलानाओ पर देशद्रोह की कार्रवाई होनी चाहिए। जो भी व्यक्ति भड़काऊ भाषण देते हैं उन पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। देश के कानून को न मानने वालों को पाकिस्तान भेज देना चाहिए। उन्होंने कहा यह लोग हिंदुस्तान में खाते हैं, हिंदुस्तान में रहते हैं और भारत के विरोध में कार्य करते हैं। ऐसे लोगों को हिंदुस्तान में रहने का अधिकार नहीं है। इन लोगों ने सबसे ज्यादा फायदा राशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाया और प्रधानमंत्री को ही गाली देते हैं। सरकार जो भी योजना बनाती है धर्म देखकर नहीं बनाती, वह देश के सभी लोगों के लिए योजना बनाती है, लेकिन यह लोग योजनाओं का लाभ उठा लेते हैं और सरकार को गाली देते हैं।
जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कदम बहुत ही सराहनीय है। हम उनके इस बिल का स्वागत करते हैं। प्रदेश मंत्री राम की दासी युगेश्वरी देवी ने कहा कि हिंदुस्तान सभी का है लेकिन दिल से प्रेम करना होगा। सरकार की नीयत साफ है वह देश हित में काम कर रही है।

नेहटा में हुई शेरावाली मैया की प्राण- प्रतिष्ठा

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/सम्भलः शुक्रवार को चंदौसी नगर क्षेत्र के ग्राम नहेटा स्थित मंदिर में शेरावाली मां की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा बड़े ही हर्ष उल्लास व भजन कीर्तन के साथ मां चामुंडा पर विराजमान की गई। ग्राम में शोभायात्रा मुख्य मार्गो से होते हुए मां चामुंडा पर पहुंची जिसके बाद भजन कीर्तन के साथ मूर्ति मे प्राण प्रतिष्ठा की गई। शोभायात्रा के दौरान मंडल अध्यक्ष गिरिराज किशोर मोर्य, सुरेश चंद्र शर्मा, सुन्दर लाल मोर्य, मंजू दिलर, राम खिलाडी, रामबाबू लोधी व ग्रामीण मौजूद रहे।

धिवक्ता को दी जान से मारने की धमकी

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/सम्भल। चंदौसी कोतवाली में एडवोकेट फराज जुबैरी पुत्र नाजिम जुबैरी निवासी सीकरी गेट चंदौसी ने तहरीर देते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2025 को रात्रि लगभग 10 बजे वो अपने घर पर बैठा था तभी सीकरी गेट निवासी कुछ लोग मेरे घर आएं जिनके हाथ में लाठी डंडे थे मेरे साथ उक्त लोगों ने मारपीट की और मेरी मां को कमरे में बंद कर दिया तथा मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

शोर शराबा करने पर मुझे मोहल्ले वालों ने बचाया और घर से निकाला जिससे मेरी जान माल का खतरा है। प्रभारी निरीक्षक मोहित बालियान ने बताया पुलिस मामले की जांच कर रही है जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल, नगर क्षेत्र चंदौसी में नुक्कड़ नाटक का भव्य आयोजन

» हनी चन्द्रा/सब का सपना

चंदौसी/सम्भलः खतियान मोहल्ला स्थित सरोजिनी नायडू जूनियर हाई स्कूल नगर क्षेत्र चंदौसी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेरणादायक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह आयोजन जन-जागरूकता के उद्देश्य से किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नाटक के माध्यम से सामाजिक मुद्दों जैसे स्वच्छता, स्कूल चलो अभियान ,पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति एवं बाल अधिकारों पर सशक्त संदेश दिया गया। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को न केवल मनोरंजन प्रदान किया बल्कि उन्हें सोचने पर भी मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ दुर्गा टंडन ने की। उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना विकसित करने में सहायक होती हैं।₹नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का एक सशक्त औजार है। इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि ये उनमें संवेदनशीलता, जिम्मेदारी एवं सामाजिक चेतना का संचार करते हैं।₹ इस कार्यक्रम द्वारा बच्चों ने बहुत आनंद का अनुभव किया।कार्यक्रम में दुर्गा टंडन, आयुषी गुप्ता, बीनू शर्मा ,अभिषेक गुप्ता, अनिकेत कुमार जोशी, कशिश, राजकुमार अर्कवंशी ,हरेंद्र कुमार आदि विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं लखनऊ से आई टीम के सदस्य उपस्थित रहे ।

मैन बाजार में अवैध अतिक्रमण पर चला बाबा का बुलडोजर

» गोपाल अग्रवाल/ सब का सपना

मांट/मथुराः नगर के मेन बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसमें सड़क किनारे रखे खोखे, टीन, ढकेल तथा अस्थाई निमार्णों को ध्वस्त किया गया। जिससे बाजार में अफरा तफरी मच गई।

तहसील गेट से वृंदावन रोड तिराहा तक जावरा तिराहा ओर नौझील रोड पर बुलडोजर से अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया और अतिक्रमण कारियों को सख्त हिदायत दी गई कि अगर फिर से अतिक्रमण किया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सबसे ज्यादा अतिक्रमण जावरा तिराहा , नशीटी तिराहे पर देखा गया। जहां भारी संख्या में ढकेल वाले ने कब्जा कर रखा था। तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता ने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा अपने स्वेच्छा से भी अतिक्रमण हटाया गया है। वहीं कुछ लोगों के द्वारा जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो वहां पर बलपूर्वक अतिक्रमण को हटाया गया है। उन्हें फिर से ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी गई है इस अवसर पर तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता, कोतवाल जसबीर सिंह, लेखपाल , कानूनगो, चौकी प्रभारी राकेश कुमार, और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

त्रिवेणी संगम से 1,000 बोतल गंगा जल जर्मनी भेजा गया

प्रयागराजः प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम के जल की विदेशों में बढ़ती मांग के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि गंगा जल की 1,000 बोतलों की पहली खेप जर्मनी भेजी गई है। उतर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक यहां आयोजित महाकुंभ मेले में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई।

बयान में कहा गया कि त्रिवेणी के पावन जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, इसके लिए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अग्नि शमन विभाग की तरफ से प्रदेश के सभी 75 जिलों में त्रिवेणी का जल पहुंचाया।

प्रयागराज में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के उपायुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जनपद के जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की तरफ से त्रिवेणी के गंगा जल की 1,000 बोतलें यहां से जर्मनी भेजी गई हैं।

उन्होंने बताया कि श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के माध्यम से यह जल विदेश भेजा गया है।

सिंह ने बताया कि महाकुंभ आयोजन के समय ही जनपद में बड़े स्तर पर त्रिवेणी के गंगा जल की पैकेजिंग की शुरूआत महिला स्वयं सहायता समूह की तरफ से की गई थी।

जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की प्रभारी नमिता सिंह ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन के बाद अब तक 50,000 से अधिक बोतल में पैक गंगा जल स्वयं सहायता समूह की उनकी महिलाओं द्वारा भेजा चुका है।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) एवं रक्त कैंसर की ओपीडी अलीगढ़ में

» सब का सपना

अलीगढ़। बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) यानी अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण एवं रक्त कैंसर पर भारत में सबसे अग्रणी और विश्वसनीय फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने नवजीवन अस्पताल रामघाट रोड़ अलीगढ़ में ओपीडी की शुरूआत की है। इसे लेकर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होटल आभा रीजेंसी, रामघाट रोड, न्यू विष्णुपुरी, अलीगढ़ में तीन अप्रैल को किया गया। प्रेस कांफ्रेंस में बताया गया कि ओपीडी में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। डॉ. प्रवीण वार्ष्णेय, सीनियर कंसलटेंट-इंटरनल मेडिसिन विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

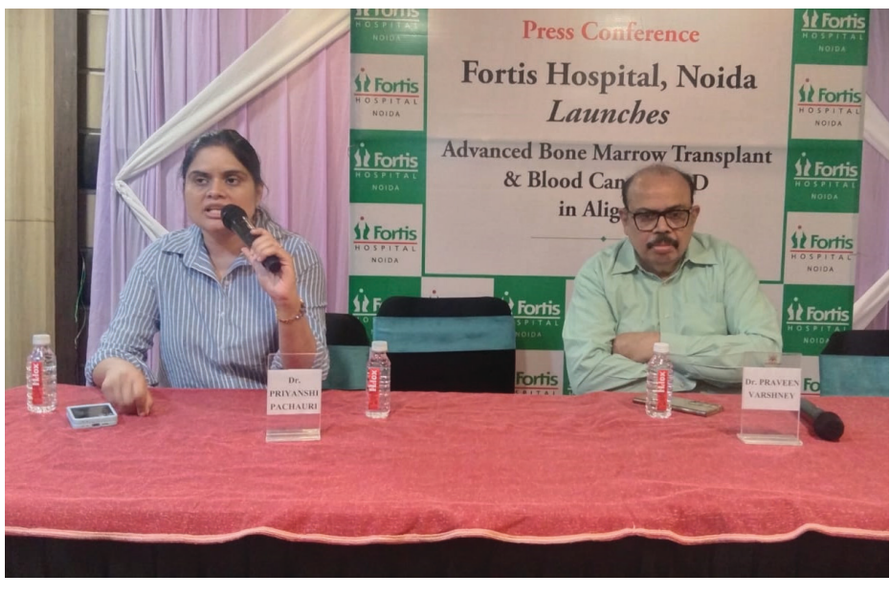

डॉ राहुल भार्गव, प्रिंसीपल डायरेक्टर एवं चीफ हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ओंकोलॉजी एंड बीएमटी, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम एवं नोएडा ने कहा, ‟फोर्टिस का बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) प्रोगाम देश में अपनी तरह के सबसे बड़े प्रोग्रामों में से एक है, जो मरीजों के लिए विस्तृत देखभाल तथा उनके जीवन को बदलकर रख देने वाले उपचार विकल्पों में से है। हम सटीक तरीके से कैंसर के उपचार के लिए इम्यून सिस्टम की ताकत का इस्तेमाल करने वाली सीएआर-टी सेल थेरेपी को और अधिक उन्नत बनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। बीएमटी के क्षेत्र में हमारी विशेषज्ञता के साथ-साथ अत्याधुनिक सीएआर-टी सेल थेरेपी का मेल कराकर, हम अपने मरीजों

के लिए सबसे इनोवेटिव और कारगर उपचार विकल्पों को उपलब्ध करा रहे हैं ताकि हम सर्वेश्रेष्ठ संभव परिणामों को साकार कर सकें। फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा में बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए विशिष्ट और समर्पित टीम तथा सर्वाधिक उन्नत टेक्नोलॉजी का शानदार मेल उपलब्ध है।‟

डॉ. प्रियांशी पचौरी, एसोसिएट कंसल्टेंट-हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और बीएमटी (रक्त कैंसर रोग विशेषज्ञ) , फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने बताया कि फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा में बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) एवं रक्त कैंसर कार्यक्रम भारत में सबसे उच्च कोटि का इलाज प्रदान करता है। बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक ऐसी चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें रोगग्रस्त अस्थि मज्जा को स्वस्थ अस्थि मज्जा से बदल दिया जाता है। यह प्रक्रिया, कुछ तरह के रक्त विकारों और कैंसर के इलाज में मदद करती है। जब कैंसर को ठीक करने के लिए आवश्यक कीमोथेरेपी या विकिरण की खुराक इतनी अधिक होती है कि उपचार से व्यक्ति की अस्थि मज्जा स्टेम कोशिकाएँ स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त या नष्ट हो जाएँगी, तो अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की आवश्यकता हो सकती है।‟

हेमेटोन्कोलॉजी चिकित्सा की एक शाखा है जो रक्त कैंसर और अन्य रक्त संबंधी विकारों के निदान और उपचार से संबंधित है। इनमें ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मायलोमा जैसे रक्त कैंसर, विभिन्न प्रकार के एनीमिया और अन्य दुर्लभ रोग शामिल हैं। डॉ. प्रियांशी ने बताया कि यहां रोगियों को केवल उपचार नहीं मिलेगा बल्कि व्यापक देखभाल मिलती है जो उपचार के जरिए उनका जीवन बदलने में सहायक है। डॉ. प्रियांशी ने कहा कि अत्याधुनिक सीएआर-टी कोशिका चिकित्सा के साथ अपनी व्यापक बीएमटी विशेषज्ञता को जोड़कर, हम रोगियों को सबसे नवीन और प्रभावी उपचार विकल्प प्रदान कर रहे हैं, जो सर्वोत्तम संभव परिणाम देने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हमें सीएआर-टी कोशिका चिकित्सा को आगे बढ़ाने में हम नेतृत्वकर्ता है और इस पर हमें गर्व है। इस दौरान डॉ. प्रवीण वार्ष्णेय भी मौजूद रहे।

साइबर फ्रॉड के प्रति आईसीआईसीआई बैंक ने ग्राहकों को किया सतर्क

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए आईसीआईसीआई बैंक ने अपने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। बैंक विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाकर ग्राहकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के बारे में महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दे रहा है। कलैक्ट्रेट सभागार में आईसीआईसीआई बैंक द्वारा साइबर सुरक्षा और डिजिटल फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप में बताया गया कि डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधियों द्वारा फिशिंग, स्मिशिंग (एसएमएस फ्रॉड), वॉट्सऐप स्कैम, यू.पी.आई. धोखाधड़ी और मालवेयर अटैक जैसी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इन घटनाओं में अपराधी ग्राहकों को नकली कॉल, ईमेल या मैसेज भेजकर उनकी बैंकिंग जानकारी चुराने का प्रयास करते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के रीजनल हैड पंकज रस्तोगी द्वारा सावधानियाँ और सुझाव के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। बैंक कभी भी ईमेल, एसएमएस या कॉल के माध्यम से गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है। यदि कोई संदिग्ध लिंक प्राप्त हो, तो उसे न खोलें। सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करें और बैंकिंग पासवर्ड को समय-समय पर बदलते रहें। पासवर्ड को किसी के साथ साझा न करें, फर्जी कॉल्स से बचें। यदि कोई व्यक्ति बैंक अधिकारी बनकर कॉल करे और गोपनीय जानकारी मांगे, तो तुरंत सतर्क हो जाएं और इसकी सूचना बैंक को दें। आधिकारिक वेबसाइट और ऐप का ही उपयोग करें। बैंकिंग सेवाओं का उपयोग केवल बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से करें। ऑनलाइन बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ाने के लिए दो-स्तरीय सत्यापन अनिवार्य रूप से अपनाएं। रीजनल हैड राजकुमार सिंह द्वारा बताया गया कि यदि इतनी सारी सावधानियां बरतने के उपरांत भी आपके साथ साइबर फ्रॉड हो गया है तो तुरंत विभिन्न माध्यमों से इसकी रिपोर्ट संबंधित बैंक के कस्टमर केयर, साइबर क्राइम हेल्पलाइन नं0 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर दे सकता है। रीजनल हैड सेल्स साकेत कपूर ने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक अपने ग्राहकों को सुरक्षित और निर्बाध बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक सभी ग्राहकों से अनुरोध करता है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की तुरंत सूचना दें। इस अवसर पर एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एडीएम वित्त मीनू राणा, सहायक आयुक्त खाद्य दीनानाथ, डिप्टी कलैक्टर अनिल कुमार कटियार, आईसीआईसीआई बैंक शाखा प्रबंधक रविकांत, रिलेशनशिप मैनेजर गोविंद सिंह समेत समेत कलैक्ट्रेट पटल सहायक उपस्थित रहे।

पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक परिवर्तनों पर हुआ व्याख्यान

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सर सैयद (दक्षिण) हॉल द्वारा आयोजित ह्यपश्चिम एशिया की बदलती भू-राजनीतिक संरचनाह्न पर बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय राजौरी के प्रो. जावेद इकबाल के विशेष आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षक, छात्र और शोध छात्र इस क्षेत्र की स्थिति को समझने के लिए इस चर्चा में शामिल हुए। प्रो0 जावेद इकबाल, ने पश्चिम एशिया में शक्ति के पुनर्गठन, क्षेत्रीय संघर्षों और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों पर चर्चा करते हुए इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में वैश्विक हितधारकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ0 अब्दुल अजीज खान, वार्डन, सर सैयद हॉल (साउथ) ने द्वारा स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अब्दुर रऊफ, प्रोवोस्ट, सर सैयद हॉल (साउथ) ने किया, जबकि डॉ. मुमताज अहमद, वार्डन, सर सैयद हॉल (साउथ) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। एएमयू के जनसंपर्क अधिकारी उमर पीरजादा ने कार्यक्रम के आयोजन की सफलता में अपनी भूमिका निभाई। समापन भाषण में मोहम्मद उबैद, सीनियर हॉल, सर सैयद हॉल (साउथ) ने प्रमुख वक्ताओं और उपस्थितजनों विशेष रूप से प्रो0 जावेद को उनके योगदान के लिए सराहा।

वक्फ के पास बेशुमार संपत्ति, फिर भी किसी को वेतन नहीं: राज्यपाल मोहम्मद आरिफ

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। वक्फ बोर्ड के पास बेशुमार संपत्ति है, इसके बाद भी न तो किसी को वेतन दिया जाता है और न ही किसी को भत्ता मिलता है, इसमें कहीं न कहीं मामला गड़बड़ है। इसलिए इसमें सुधार की आवश्यकता है, यह बात बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ ने अलीगढ़ में कही। बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ गुरुवार को इगलास के मंगलायतन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए और होनहार विद्यार्थियों को डिग्रियां और मेडल बांटे। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ लिखकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल पर भी अपनी राय प्रस्तुत की। बिहार के राज्यपाल ने मुस्लिम प्रोटेक्शन एक्ट 1986 का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि 1986 में मुस्लिम वुमेन प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया था, तब प्रावधान किया गया था कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को वक्फ से गुजारा भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक्ट लागू होने के बाद लगातार उन्होंने दो साल संसद में प्रश्न किया कि कितनी महिलाओं को वक्फ से भत्ता दिया गया। लेकिन इसमें उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। वक्फ के पास इतनी संपत्ति है, फिर भी किसी महिला की मदद नहीं की जाती है। इतनी संपत्ति होने के बाद भी वक्फ के कर्मचारियों को वेतन और भत्ता नहीं दिया जाता है। राज्यपाल मोहम्मद आरिफ ने कहा कि धर्म और रिलीजन दोनों अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि धर्म का मलतब समाज और दूसरों के प्रति जिम्मेदारियां होती हैं। जिसे हर व्यक्ति को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना होता है। लेकिन आज रिलीजन को धर्म मानकर काम हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि आज वह डिग्री लेकर यूनिवर्सिटी से आगे जा रहे हैं। देश विदेश में जाकर नौकरी रोजगार स्थापित करेंगे। वह इस बात को ध्यान में रखें कि यह स्वामी विवेकानंद की धरती है। हर युवा स्वामी विवेकानंद के बताए आदर्शों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ेंगे तो निश्चित तौर पर सफलता उन्हें मिलेगी और वह देश का भी नाम रोशन करेंगे।

मण्डलीय पेंशन अदालत का हुआ आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। मण्डलायुक्त संगीता सिंह अध्यक्षता एवं अपर निदेशक, कोषागार पेंशन अलीगढ-आगरा मण्डल महिमा चंद के संचालन में गुरूवार को कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। मण्डलीय पेंशन अदालत में कुल 19 प्रकरण प्राप्त हुये थे, जिनमें से 7 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

जिला विकास अधिकारी कार्यालय, एटा के सेवानिवृत्त जीप चालक हनीफ रसूल के सेवानिवृत्त देयकों के सम्बन्ध में मण्डलायुक्त द्वारा विभाग को निर्देशित किया गया कि 15 दिनों के भीतर नियमानुसार पेंशन आदि की स्वीकृति सुनिश्चित करायें। इसी प्रकार उद्यान विभाग कार्यालय एटा के वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक देवपाल सिंह के सम्बन्ध में वेतन निर्धारण पुनः जाँच के निर्देश दिये गये। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय अलीगढ के सहायक अध्यापक मौहम्म्द अहमद के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया की वादी निर्धारित तिथि को मदरसे में उपस्थित होकर अपने मूल अभिलेखों का सत्यापन करायें। बेसिक शिक्षा विभाग के चार प्रकरणों के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों द्वारा पेंशन अदालत में अवगत कराया गया कि अभी जीपीएफ में अनियमित भुगतान की जाँच के कारण अभिलेख जाँच समिति के अधीन हैं, जॉच के उपरान्त नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

पेंशन अदालत में अपर निदेशक कोषागार पेंशन अलीगढ आगरा मण्डल आगरा महिमा चन्द, वरिष्ठ कोषाधिकारी अलीगढ़ योगेश कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी हाथरस सतीश, जिला विकास अधिकारी हाथरस प्रेमनाथ यादव, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा अलीगढ़ निखलेश राजन, सहायक लेखाधिकारी अश्वनी कुमार पाण्डेय, पेंशन पटल सहायक सुधीर कुमार शर्मा, अनूप कुमार गुप्ता, गिर्राज किशोर, सुशील गुप्ता, गजेन्द्र सिंह राणा उपस्थित रहे।

हीट वेव की आहट से एक्शन मोड में आया नगर निगम

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। अप्रैल की शुरूआती दिनों में ही बढ़ते तापमान के कारण हीट वेव की संभावना को देखते हुए नगर आयुक्त विनोद कुमार ने अभी से हीट वेव में राहत और बचाव की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की हिदायत अधीनस्थों को दी है साथ ही साथ नगर आयुक्त ने पिछले साल ए0टू0जेड0 में लगी आग की घटना को देखते हुए निरीक्षण करते हुए प्लांट में दो पानी की टेंकर रिजर्व रखने के लिए ए0टू0जेड0 को कहा है। नगर आयुक्त ने ए0टू0जेड0 प्लांट में आने वाले प्रत्येक कचरे के वाहनों को कचरा ढक कर न लाने पर अर्बन कंपनी पर जुमार्ने की कार्रवाई करने के निर्देश नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार को दिए।

नगर आयुक्त ने बताया अप्रैल की शुरूआती दिनों में ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है ऐसी स्थिति में नगर निगम हीट वेब से राहत और बचाव कार्य को कराने के लिए प्रयासरत है जलकल विभाग में 20 पानी के टैंकर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए भरवा कर रखे पाए गए हैं साथ ही साथ नगर निगम की एंटी स्मोक गन को भी भरवाकर एक्टिव मोड में रखा गया है। उन्होंने बताया कि सामाजिक संगठनों व्यपारी संगठन व बैंको से सीएसआर अंतर्गत 200 पेयजल मिट्टी के घड़ो को मुख्य मार्गो पर रखवाया जाएगा। साथ ही साथ आगामी 15 अप्रेल से सभी वाटर एटीएम को भी एक्टिव कर दिया जाएगा। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार, मुख्य अभियंता सुरेश चंद, एसएफआई बिशन सिंह, स्टेनो देश दीपक, मीडिया सहायक अहसान रब आदि साथ थे।

नगर आयुक्त के एक्शन से जागा सीएनडीएस

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। बीते बुधवार को 12 करोड़ 76 लाख की लागत से सीएनडीएस द्वारा ड्रेनेज सिस्टम को प्रभावी बनाने की दिशा में नए छर्रा अड्डा पंपिंग स्टेशन, पाइप लाइन डालने की परियोजना का नगर आयुक्त विनोद कुमार ने निरीक्षण किया था जिसमे कई खामियां मिलीं और काम शुरू नहीं होने पर नगर आयुक्त ने सीएनडीएस को अंतिम चेतावनी देते हुए जमकर क्लास भी लगाई थी।

गुरुवार को इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में बाधा डालने वालों पर नगर आयुक्त ने सख्त रुख अपनाने के लिए सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह के नेतृत्व में 20 प्रवर्तन जवानों को तैनात कर प्रोजेक्ट की खुदाई शुरू करा दी। इस प्रोजेक्ट की खुदाई का काम जब शुरू किया गया तो मनोज पुत्र हीरालाल शर्मा निवासी गोपी मिल के पीछे नई आबादी के नेतृत्व में 20-25 पुरुष महिलाओं ने काम को रोकने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर आयुक्त विनोद कुमार ने खुद मौके पर जाकर स्थानीय लोगों को इस जनहित कार्य में सहयोग करने के लिए कहा लेकिन स्थानीय लोग रास्ते की मांग और अनावश्यक दबाव बनाकर इस जनहित कार्य को रोकने की कोशिश कर रहे थे मौके पर नगर आयुक्त ने अपर नगर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल को बुलाकर भीड़ को तीतर बीतर कराया और पम्पिंग स्टेशन निर्माण के लिए जेसीबी मशीनों से खुदाई कराना शुरू कराया।

नगर आयुक्त विनोद कुमार ने बताया कि शहर की जल भराव की समस्या से शहरवासियों को निजात दिलाने के लिए ये प्रोजेक्ट अत्यंत महत्वपूर्ण है इस प्रोजेक्ट के तहत छर्रा अड्डा पंपिंग स्टेशन निकट पुल के नीचे सम्पवैल का निर्माण किया जाना है जिसमें 2500 मीटर की पाइपलाइन एटा चुंगी से आगे तक डाली जाएगी जिसमें छर्रा अड्डा और इसके नजदीकी नालों को जोड़ा जाएगा इस कार्य के पूर्ण होने से छर्रा अड्डा सुदामापुरी पंजाबी क्वार्टर गुरुद्वारा रोड पर जल निकासी प्रभावी बनेगी। उन्होंने बताया सीएनडीएस जल निगम को इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की गंभीरता को देखते हुए अगले दो महीने में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की गई है उन्होंने यह भी कहा जनहित के कार्यों में बाधा डालने वालों के विरुद्ध नगर निगम सख्त रुख इखतियार करेगा।

इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के पूर्ण हो जाने के उपरांत वर्षों से जल भराव की समस्या से जूझ रहे पंजाबी क्वार्टर छर्रा अड्डा सुदामा पुरी गुरुद्वारा रोड के निवासियों को संभवत इस वर्ष जल भराव की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। इस दौरान एसीएम सुधीर कुमार, सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार, मुख्य अभियंता सुरेश चंद, साइड इंजीनियर रोहित, नगर निगम संपत्ति विभाग से विजय गुप्ता, स्टेनो देश दीपक मीडिया, सहायक अहसान रब, एमपी सिंह, प्रवर्तन दल, पुलिस बल आदि साथ थे।

किसानों की समस्याओं को दूर कराने तक लड़ेगा किसान मजदूर संगठन

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। हरदुआगंज के गांव इटावली में किसान मजदूर संगठन के तहसील अध्यक्ष देवराज सिंह के नेतृत्व किसान पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों किसानों हरदुआगंज उत्तरी सहकारी समिति पर 2011 से 2016 के बीच के सचिव द्वारा किए गए घोटाले को सबसे बड़ी समस्या बताया। किसान अतेंद्र सिंह ने कहा कि समस्तपुर पर गेहूं का सरकारी क्रय केंद्र है जिसमें किसान से डेढ़ किलो करदा के नाम पर काट रहे हैं और प्रति बैग 50 किलो 400 ग्राम तोल कर रहे हैं। जिस पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ शैलेन्द्र पाल सिंह ने आरएमओ को गेहूं क्रय केंद्र की अनियमितताओं की जानकारी दी और किसानों को बताया कि सरकार का नियम है कि कोई भी क्रय केंद्र 50 किलो 250 ग्राम से ज्यादा की तलाई नहीं कर सकता तथा तुलाई लेबर को किसान को 20 रुपए प्रति कुंतल देना होगा जो कि बाद में किसान के खाते में गेहूं के पैसों के साथ 2445 रुपए प्रति कुंतल का पैसा किसान के खाते में आ जाएगा इसलिए किसानों से जागरूक बन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज बुलन्द करने की अपील की।

जिलाध्यक्ष बंटी जादौन ने कहा कि गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों से संबंधित सूचना लगी होनी चाहिए किंतु किसी भी ग्रह केंद्र पर कोई सूचना नहीं लगाई गई है जिस पर समस्तपुर क्रय केंद्र पहुंचे डिप्टी आरएमओ ने क्रय केंद्र का निरीक्षण कर किसानों की समस्याओं को सुना और केंद्र पर पाई गई अनियमितताओं के लिए सचिव को फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए दो दिन का समय दिया। क्षेत्रीय किसानों ने पी डब्लू डी द्वारा खारिज नहर की पटरी पर चल खराब काम की शिकायत की कि सड़क आगे बन रही है और पीछे से उखड़ती जा रही जिसकी शिकायत जिलाधिकारी से करने का आश्वासन संगठन के पदाधिकारियों ने दिया। इस अवसर पर खैम सिंह,राहुल सिंह सोनू चौहान, विकास राजपूत, राजेश सैनी, रामबाबू गुप्ता, उपेंद्र सिंह, योगेन्द्र सिंह, अजय कुमार, ऋषि कुमार सिंह, हरवीर सिंह, जगदीश प्रसाद, दिनेश कुमार, सोनपाल सिंह, नाथूराम सुरेश चंद, राजेंद्र सिंह, बाबू सिंह, लाल साहब, रणपाल सिंह, देवेंद्र पाल सिंह, दुर्गेश कुमार सिंह, मुकेश कुमार, गजेंद्र पाल सिंह सहित सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

विदेशों में पीएचडी अवसरों पर कल होगा वेबिनार का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एएमयू एलुम्नाई एसोसिएशन जर्मनी के सहयोग से ह्ययूरोप में पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टोरल अवसरह्न पर एक वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उन छात्रों का मार्गदर्शन करना है जो विदेशों में पीएचडी करना चाहते हैं।

यह कार्यक्रम शनिवार, 5 अप्रैल को शाम 7:30 बजे भारतीय समयनुसार ऑनलाइन रूप में आयोजित किया जाएगा। इसमें शोधार्थियों को छात्रवृत्तियों के अवसरों, आवेदन की रणनीतियों और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी।

रसायन विज्ञान विभाग की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. अनामिका गुप्ता ने इस वेबिनार के महत्व को बताते हुए कहा कि छात्रों को वैश्विक संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

वेबिनार में डॉ. अजेक्स मोहम्मद (जर्मनी), डॉ. मोहम्मद अकराम (जर्मनी), डॉ. मोहम्मद यासिर (स्विट्जरलैंड), डॉ. परवेज आलम (डेनमार्क और यूएसए), और डॉ. जिया तारिक (बेल्जियम और यूके) जैसे विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो पीएचडी आवेदन प्रक्रिया को समझने और उसमें सफलता प्राप्त करने के लिए अपने अनुभव और मार्गदर्शन साझा करेंगे।

मण्डलायुक्त के भ्रमण कार्यक्रमों का रोस्टर जारी

(सब का सपना) अलीगढ़। कमिश्नरी कार्यालय द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार आयुक्त अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह द्वारा माह अप्रैल में विभिन्न भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं। संयुक्त विकास आयुक्त मंशाराम यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मण्डलायुक्त द्वारा 16 अप्रैल को अपरान्ह 03 बजे से सायलो वेयर हाउस हरदुआगंज एवं नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निरीक्षण किया जाएगा। 24 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से आसरा योजना, पहाड़पुर, सोरों जिला कासगंज एवं 50 बैडेड क्रिटिकल केयर हॉस्पीटल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जाएगा। 26 अप्रैल को अपरान्ह 03 बजे से ब्लॉक लोधा के कोमालिका एफपीओ भमरौला के कार्य प्रबंधन एवं 29 अप्रैल को पूर्वान्ह 11 बजे से गोंडा ब्लॉक में अमृत सरोवर तलेसरा, वृहद गौशाला मजूपुर एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोंडा का निरीक्षण किया जाएगा।

क्षत्रिय समाज ने फूंका सपा सांसद का पुतला

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन की राणा सांगा पर टिप्पणी के बाद क्षत्रिय समाज का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्यसभा सांसद से नाराज क्षत्रिय समाज के लोगों ने गुरुवार को सपा सांसद का पुतला फूंका। किसान यूनियन के बैनर तले क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी संख्या में अकराबाद थाना क्षेत्र के नानउ के पास एकत्रित हुए। इसके बाद उन्होंने जमकर नारेबाजी की। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला फूंक कर अपना विरोध दर्ज कराया। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के बैनर तले बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग एकजुट हुए थे। ऐसे में मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्रीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझती रही। लेकिन पुलिस के सामने ही प्रदर्शनकारियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के पुतले को जमकर जूते चप्पलों से पीटा। फिर उनका पुतला जलाकर अपना विरोध प्रकट किया। क्षत्रिय समाज का कहना है कि सपा सांसद ने महापुरुषों का अपमान किया है। भारतीय किसान यूनियन और क्षत्रिय समाज के लोगों ने देश की राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अपने ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद में महापुरुषों का अपमान किया है। इसलिए उनके खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए और उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए। वहीं प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिलाया गया है कि उनकी मांगों को ऊपर तक पहुंचाया जाएगा और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

11 कन्याओं को करवाया वैक्सीनेट

» सब का सपना संवाददाता

अलीगढ़। इनरव्हील क्लब आफ अलीगढ ₹पहल₹ क्लब की जिला अध्यक्ष नीलू सिंह धाकरे द्वारा जो सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और वैक्सीनेशन का गोल दिया गया था, उसी श्रृंखला में हमारी इनरव्हील क्लब आफ अलीगढ ₹पहल₹ ने सभी के सहयोग से 11 कन्याओं को वैक्सीनेट करवाया, यह पुण्य कार्य शिवा नर्सिंग होम की डॉक्टर पुनीता गर्ग जी द्वारा किया गया। कन्याओं को वैक्सीनेशन के बाद स्वल्पाहार भी कराया गया और उपहार स्वरूप एक छाता भी दिया ।

इसके बाद हमारी भूतपूर्व अध्यक्ष व सीजीआर नीता वाष्णे ?थ के आवास पर एक जरूरतमंद बिटिया की शादी के लिए जरूरत का सामान व राशि सभी क्लब बहनों ने मिलकर दी, इस शुभ अवसर पर कन्या को चुनरी पहना कर उसके वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

नवरात्रि के पावन अवसर पर हमारे क्लब द्वारा नीता जी के आवास पर ही माता रानी के भजनों का कार्यक्रम हुआ, भजनों के बाद स्वलपाहार व प्रसाद वितरण हुआ। इस कार्यक्रम में हमारी मंडल सचिव ज्योति मित्तल, सीएलसीसी मनीषा, पास्ट प्रेसिडेंट रोली, क्लब अध्यक्ष तनुजा, कोषाध्यक्ष रीता, आइएससो वारिजा, उपाध्यक्ष दीपाली अग्रवाल, एडिटर साधना, अंजू, अलका, अनीता आदि सदस्याए उपस्थित रही।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद के न्यू शांति नगर में टूटी पाइपलाइन से जल संकट, खुले सीवर जानलेवा

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।गाजियाबाद के न्यू शांति नगर, जल निगम रोड, वार्ड नंबर 27 के निवासी पिछले 7 दिनों से जल संकट से जूझ रहे हैं। बिजली विभाग की खुदाई के दौरान पाइपलाइन टूट गई थी, लेकिन नगर निगम की लापरवाही के कारण अब तक इसे ठीक नहीं किया गया। इस वजह से इलाके में पानी की भारी किल्लत हो गई है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं।

खुले पड़े सीवर जानलेवा

इलाके में सिर्फ पानी की समस्या ही नहीं, बल्कि खुले सीवर के गड्ढे भी खतरे का कारण बन गए हैं। सीवर के ढक्कन गायब होने से किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही से समस्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

स्थानीय लोग कर रहे खुद प्रयास

निवासियों ने पार्षद नरेश जाटव से समस्या के समाधान की अपील की, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने गड्ढों को भरने और रास्ते को सुरक्षित बनाने के लिए खुद ही उपाय करने शुरू कर दिए हैं। बावजूद इसके, नगर निगम का रवैया उदासीन बना हुआ है।

प्रशासन से जल्द समाधान की मांग

स्थानीय निवासियों ने जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत और खुले सीवरों को ढकने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

गाजियाबाद में शांति व्यवस्था के लिए सख्त कदमः 18 मई तक धारा-163 लागू

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।गाजियाबाद पुलिस प्रशासन ने आगामी त्योहारों, परीक्षाओं और विभिन्न राजनीतिक-सामाजिक आयोजनों को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा-163, इठरर के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर 18 मई की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगा।

- बिना अनुमति के प्रदर्शन और जुलूस पर रोक
- ऊख और लाउडस्पीकर के उपयोग पर सख्ती
- भड़काऊ नारेबाजी और पोस्टर वितरण प्रतिबंधित

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति के कोई भी धरना-प्रदर्शन या जुलूस नहीं निकाला जा सकेगा। साथ ही, किसी समुदाय, जाति या धर्म के खिलाफ भड़काऊ नारेबाजी, पोस्टर लगाना या पर्चे बांटना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा के दौरान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में बाहरी लोगों की एंट्री और फोटोकॉपी/स्कैनर की दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। होटल और धर्मशाला मालिकों को बिना पहचान पत्र के किसी को ठहराने की अनुमति नहीं होगी। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास ड्रोन कैमरे से शूटिंग पर भी रोक रहेगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह निषेधाज्ञा गाजियाबाद में रहने वाले और यहां से गुजरने वाले सभी व्यक्तियों पर लागू होगी।

गाजियाबाद में अवैध ई-रिक्शा पर बड़ी कार्रवाई, 146 जब्त, 38 का चालान

1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा विशेष अभियान, बिना रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और लाइसेंस वाले ई-रिक्शा होंगे जब्त

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।उत्तर प्रदेश में अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा।इस दौरान गाजियाबाद के आरटीओ केडी सिंह गौर के अनुसार, अभियान के पहले दो दिनों में ही 146 ई-रिक्शा जब्त किए गए हैं, जबकि 38 ई-रिक्शा चालकों का चालान काटा गया है।

परिवहन विभाग उन ई-रिक्शा पर कार्रवाई कर रहा है, जो बिना रजिस्ट्रेशन, फिटनेस सर्टिफिकेट और लाइसेंस के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इसके अलावा, नाबालिग चालकों द्वारा चलाए जा रहे ई-रिक्शा को भी जब्त किया जा रहा है।

प्रशासन ने अवैध ई-रिक्शा निर्माण और असेंबलिंग यूनिट्स पर भी शिकंजा कसने का फैसला लिया है। जिला प्रशासन की विशेष टीम ऐसी फैक्ट्रियों पर छापेमारी करेगी और उन्हें बंद कराने की कार्रवाई करेगी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या ट्रैफिक जाम और सड़क हादसों की एक बड़ी वजह बन रही है।

- नाबालिग चालकों और अवैध असेंबलिंग यूनिट्स पर भी कसेगा शिकंजा

आरटीओ का कहना है कि ई-रिक्शा परमिट से मुक्त होते हैं, जिसके कारण इनके तय रूट निर्धारित नहीं किए जा सकते। अनियंत्रित संचालन से शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि सड़कों पर केवल वैध और नियमों के अनुसार पंजीकृत ई-रिक्शा ही संचालित हों।

गाजियाबाद में अवैध भूजल दोहन पर सख्ती, 15 दिन में आरओ प्लांट और कार वाशिंग सेंटरों को नोटिस

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।गाजियाबाद के विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन और विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में घरेलू और कृषि उपयोग के लिए कूप पंजीकरण, अनापत्ति प्रमाण पत्र (ठडउ) नवीनीकरण, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक भूजल दोहन से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख रूप से अवैध रूप से संचालित फ्ड प्लांट और कार/बाइक वाशिंग सेंटरों द्वारा भूजल दोहन पर सख्ती बरतने का निर्णय लिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि अवैध रूप से बोरवेल चलाने वाले फ्ड प्लांट और कार वाशिंग सेंटरों को 15 दिन के भीतर अपना बोरवेल बंद करने का नोटिस जारी किया जाए।

अगर कोई संस्थान निदेशों का पालन नहीं करता, तो उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल अधिनियम 2019 के तहत ₹2 लाख का जुमार्ना लगाया जाएगा और बोरवेल सील किया जाएगा। इसके अलावा, जो संस्थान नोटिस के बाद भी शपथ पत्र जमा नहीं करेंगे, उन पर आगे की कानूनी कार्रवाई होगी और बकाया राशि की वसूली के आदेश पारित किए जाएंगे।

- जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक में कड़े फैसले
- अवैध रूप से संचालित आरओ प्लांट और कार वाशिंग सेंटरों पर होगी कार्रवाई
- भूजल निष्कर्षण के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को मुफ्त ऑनलाइन पंजीकरण की अपील

बैठक में 61 हाउसिंग सोसायटियों को अवैध भूजल दोहन के कारण पहले ही नोटिस जारी किया गया था। जिन सोसायटियों ने जवाब नहीं दिया, उन्हें 30 कार्य दिवसों का समय देते हुए अनुस्मारक नोटिस भेजा गया है।

बिजली कटौती से परेशान कनावनी गांव के लोगों ने किया ऊर्जा उपकेंद्र का घेराव

रोजाना 10-12 घंटे की बिजली कटौती से लोग परेशान, नीतिखंड ऊर्जा उपकेंद्र से दोबारा बिजली आपूर्ति की मांग

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित कनावनी गांव के निवासियों ने बृहस्पतिवार को नीति खंड स्थित ऊर्जा उपकेंद्र का घेराव किया। लोगों का कहना है कि बिजली कटौती की समस्या गंभीर होती जा रही है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, पहले गांव में नीतिखंड ऊर्जा उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति की जाती थी, लेकिन अब इसे शक्तिखंड-4 स्थित ऊर्जा उपकेंद्र से जोड़ दिया गया है। इससे क्षेत्र में रोजाना 10-12 घंटे की बिजली कटौती हो रही है, जिससे लोग परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि कनावनी गांव की बिजली आपूर्ति को फिर से नीतिखंड ऊर्जा उपकेंद्र से जोड़ा जाए, ताकि बिजली की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वे उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

- प्रशासन से जल्द समाधान की अपील

प्रशासन क्या कहता है?

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे समस्या से अवगत हैं और जल्द ही समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

फिलहाल, क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर ने निर्माणाधीन विद्युत उपकेंद्र का किया निरीक्षण

अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर शेष कार्य को जल्द पूर्ण करने हेतु किया निर्देशित

» सब का सपना संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार में ऊर्जा राज्यमंत्री डा० सोमेंद्र तोमर ने गुरुवार को निमार्णाधीन 33/11 केवी 25 टश्अ विद्युत उपकेंद्र आईटी पार्क, वेदव्यासपुरी, मेरठ का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, मेरठ विकास प्राधिकरण एवं कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड (बरेली) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय स्थापित कर उपकेंद्र के शेष कार्य को शीघ्र पूरा करें, ताकि ऊर्जा क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जोड़ते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

निरीक्षण के दौरान निवर्तमान मंडल अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि दक्षिण विधानसभा मनीष प्रजापति, अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल, प्रथम, मेरठ अभिषेक सिंह, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, बरेली के प्रोजेक्ट मैनेजर नन्दलाल, अधिशासी अभियंता, मेरठ विकास प्राधिकरण भानुप्रताप सिंह एवं अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड, पल्लवपुरम, मेरठ राम यश यादव उपस्थित रहें।

सीडीओ की अध्यक्षता में संपन्न हुई जैव ऊर्जा समिति की बैठक

» सब का सपना संवाददाता

मेरठ। जिलाधिकारी मेरठ के निदेशानुसार मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जैव ऊर्जा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी मेरठ की अनुमति से परियोजना प्रभारी यूपीनेडा मेरठ द्वारा जनपद मेरठ में वर्तमान तक स्थापित जैव ऊर्जा प्लांट की जानकारी उपलब्ध कराई गई, तत्पश्चात विवेक गर्ग जैव ऊर्जा उद्यमी द्वारा प्रेस मढ की दिन-प्रतिदिन बढ़ती दरों के सम्बन्ध में एवं प्रेस मढ/गोबर की गाडियों पर लगने वाले टोल की समस्या से अवगत कराया गया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि रॉ मेटिरियल की दुलाई हेतु प्रयुक्त होने वाले वाहनों के नम्बर उपलब्ध करा दें ताकि टोल संचालक से उक्त गाड़ियों को टोल फी कराया जा सकें, साथ ही में मेटिरियल की उपलब्धता हेतु जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम कपसाड ग्राम उकसिया, ग्राम दौराला, ग्राम जानी एवं ग्राम नंगलापातू में बडी गौशालाएं संचालित है, जहा पर प्रचुर मात्रा में गोबर उपलब्ध है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि गोबर उपलब्ध कराने वाले वेण्डर्स के साथ बैठक करते हुए सभी गौशालाओं में गोबर की दरें निर्धारित करना सुनिश्चित करें साथ ही प्रेस मढ़ की दरे निर्धारित किए जाने हेतु जिला गन्ना अधिकारी से वार्ता करने के निर्देश परियोजना प्रभारी यूपीनेडा को दिए गए एवं जेव ऊद्यमियों से अपने वेण्डर्स की लिस्ट जिला पंचायत राज अधिकारी मेरठ को उपलब्ध कराने एवं गोबर/प्रेस मढ़ के अतिरिक्त अन्य विकल्प जैसे-नेपियर, गन्ने की पत्ती को भी रॉ मेटिरियल के रुप में प्रयोग करने हेतु विचार करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर निलेश चौरसिया उपनिदेशक कृषि, श्रीमति रेनू श्रीवास्तव जिला पंचायत राज अधिकारी मेरठ, राजीव कुमार सिंह जिला कृषि अधिकारी मेरठ, पवन कुमार धामा प्रतिनिधि डिप्टी आर.एम.ओ मेरठ, विनोद कुमार सैनी एफ.पी.ओ मेरठ, विवेक गर्ग जैव ऊर्जा उद्यमी मै० आनन्द मंगलम, अकुंर जग्गी जैव ऊर्जा उद्यमी मै० सर्किल सी.बीजी मेरठ, प्रमोद भूषण शर्मा परियोजना प्रभारी यूपीनेडा मेरठ उपस्थित रहे।

गाजियाबाद : अलग-अलग इलाकों में भीषण आग, ट्रक और फ्लैट जलकर खाक

सोवियर पार्क सोसाइटी के फ्लैट में लगी आग, दमकल ने पाया काबू, वृंदावन गार्डन की पार्किंग में भीषण आग, 6 ट्रक जलकर खाक

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद।गाजियाबाद में बृहस्पतिवार को अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लगने की घटनाएं सामने आईं, जिससे शहर में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुब्बार आसमान में छा गया, जिसे देखकर लोगों में दहशत फैल गई। बृहस्पतिवार सुबह ट्रांस हिंडन इलाके की सोवियर पार्क सोसाइटी में एक फ्लैट में आग लग गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। दमकल विभाग की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

इसके बाद साहिबाबाद के राजबाग वृंदावन गार्डन क्षेत्र में पार्किंग में आग लगने की खबर आई। आग इतनी भीषण थी कि वहां रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। अंदर खड़े कई ट्रक भी आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के बाद रह-रहकर धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिससे सिलेंडर फटने का अंदेशा जताया जा रहा है।

6 ट्रक आग की चपेट में आए

राजबाग कॉलोनी ट्रांसपोर्ट रोड पर एक बड़ा हादसा हुआ, जहां वृंदावन गार्डन के पास स्थित गोदाम में खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 6 ट्रकों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि वे उसे नियंत्रित नहीं कर सके।

फार्म हाउस में भीषण आग, आधा दर्जन दमकल गाड़ियां मौके पर

दोपहर में राजनगर एक्सटेंशन स्थित माउंट ग्रीन फार्म हाउस में भी आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) राहुल पाल ने बताया कि आग की घटनाओं की जांच की जा रही है। आग किन कारणों से लगी, यह विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत दमकल विभाग को सूचित करने की अपील की है।

आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ ने कोषागार मेरठ में किया नवीन पेंशनर कक्ष का लोकार्पण

» सब का सपना संवाददाता

मेरठ। गुरुवार को आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह, वरिष्ठतम पेंशनर कोषागार मेरठ रणजीत सिंह की उपस्थिति में कोषागार मेरठ में नवीन पेंशनर कक्ष का लोकार्पण किया गया। पेंशनर एसोसिएशन द्वारा आयुक्त व जिलाधिकारी का स्वागत किया गया। आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ को गार्ड आफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह, अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मेरठ मंडल मेरठ अशोक कुमार, पूर्व अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मेरठ मंडल मेरठ अतुल कुमार सिंह, मुख्य कोषाधिकारी वरूण खरे, कोषाधिकारी अशोक कुमार, कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज शर्मा, मंत्री सिद्धार्थ वत्स सहित अन्य कोषागार कर्मचारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के 700 स्कूली छात्रों ने किया सैनिक प्रशिक्षण का प्रदर्शन

हरिद्वार में राष्ट्रीय सैनिक संस्था और अखंड हिंद फौज के संयुक्त कार्यक्रम में दिखाया जमीनी कौशल

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद/हरिद्वार।हरिद्वार के दयानंद खेल स्टेडियम, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सैनिक संस्था और अखंड हिंद फौज के संयुक्त प्रयासों से 700 स्कूली छात्रों ने सैनिक प्रशिक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से आए इन छात्रों को प्रारंभिक सैन्य प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वे एक अच्छे नागरिक बनने के साथ-साथ आपात स्थिति में देश की सेवा करने के लिए भी तैयार हो सकें।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष, वीर चक्र विजेता कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने कहा कि अब

तक 15,000 से अधिक बच्चों को यह प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये प्रशिक्षित छात्र कभी भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

उत्तराखंड के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और प्रशिक्षित छात्रों की परेड को सलामी दी। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की शानदार ड्रिल और साहसिक करतब देखकर उन्हें आजाद हिंद फौज की याद आ गई।

उन्होंने राष्ट्रीय सैनिक संस्था और अखंड हिंद फौज के सदस्यों की अनुशासन और कर्तव्यपरायणता की सराहना की।

कार्यक्रम में प्रो. डॉ. पवन सिन्हा ने छात्रों को व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र का महत्व समझाया। वहीं, अखंड हिंद फौज के संरक्षक कमोडोर विजय बबेले और अध्यक्ष ओमप्रकाश अवस्थी ने स्कूलों में अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण लागू करने के लिए सरकार से विशेष अभियान चलाने की मांग की। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें राष्ट्रीय सैनिक संस्था की आर्थिक काउंसिल के चेयरमैन राजन छिब्बर, राष्ट्रीय प्रशासनिक काउंसिल के वरिष्ठ सदस्य मेजर जनरल एम. एल. असवाल, शिक्षा विंग के संयोजक मेजर जनरल ओ. पी. सोनी शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने परेड, सेल्यूटिंग, पिरामिड फॉर्मेशन, आग के गोले से निकलने और गार्ड ऑफ ऑनर जैसे हैरतअंगेज प्रदर्शन किए। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सैनिक संस्था के रुड़की मंडल अध्यक्ष राहुल पुरी ने किया, जबकि परेड संचालन कैडेट धीरज पटेल ने किया।

गुलमोहर एन्क्लेव में अनुजा बंसल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

» सब का सपना संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल की धर्मपत्नी अनुजा बंसल का जन्मदिन गुरुवार को उनके आवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुलमोहर आरडब्लूए की पूर्व अध्यक्ष रश्मि चौधरी ने केक कटवाकर और बुके देकर अनुजा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

रश्मि चौधरी ने अनुजा को अपनी छोटी बहन और सबसे अच्छी दोस्त बताते हुए उनके दीघार्यु और सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा, कोई भी दिन ऐसा नहीं गुजरता जब हम दोनों एक-दूसरे से बात न

करें। अनुजा मेरे परिवार का हिस्सा है, और मैं उसके जन्मदिन पर उसकी खुशहाली की दुआ करती हूं।

इस खास मौके पर गौरव बंसल, परी बंसल, अंशिका चौधरी और अर्जुन चौधरी भी मौजूद रहे। अनुजा बंसल ने सभी के स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, अगर आपके पास एक सच्चा दोस्त है, तो आप दुनिया के सबसे खुशहाल इंसान हैं। मेरे लिए रश्मि चौधरी वही दोस्त हैं।

बंदरों के आतंक से परेशान किसान व ग्रामीण

जिम्मेदारों द्वारा बंदरों को भगाने के लिए नहीं की जा रही कोई व्यवस्था, ग्रामीणों में नाराजगी, सरेनी के दर्जनों गांवों में व्याप्त है बंदरों का उत्पात

» सब का सपना संवाददाता

सरेनी(रायबरेली)। विकास खंड़ सरेनी के कई गांवों में काले व लाल प्रजाति वाले बंदरों का आतंक बढ़ गया है।बंदर घरों में घुसकर खाने का सामान उठा ले जाने के साथ ही खेतों में बोई गई सब्जियों को नष्ट कर दे रहे हैं।बंदरों के आतंक के चलते किसानों को बीज का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है।इससे कई किसानों ने सब्जी उगाना छोड़ दिया है।ग्रामीण अंचल में बंदरों के आतंक से ग्रामीण व किसान बेहद परेशान हैं।खासकर सब्जी उत्पादक किसानों को बंदर सर्वाधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।खेत और बाड़ियों में सब्जी-भाजियों की फसल को चट कर जाते हैं।इसके अलावा ग्रामीणों के घरों के बाहर व छत पर रखे सामानों को तो नुकसान पहुंचाते ही हैं,साथ ही टीनशेड को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।जिम्मेदारों द्वारा बंदरों को भगाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है,जिससे ग्रामीणों में जिम्मेदारों के प्रति गहरी नाराजगी है।सरेनी क्षेत्र के ग्राम भोजपुर,टेरुई, सोमवंशी खेड़ा,मोहनपुर,विशायकपुर,

तिवारीपुर,राजापुर,गहरौली, हरीपुर-,दलीपुर,डूंड़ी,काल्हीगांव,पसनखेड़ा आदि गांवों में बंदरों का बहुत ज्यादा आतंक है।खेत और बाड़ियों में सब्जी-भाजी की फसल को नुकसान पहुंचाने के साथ ही टीनशेड़ मकानों में कूद-कूदकर जर्जर करते हैं।इससे ग्रामीणों को सर्वाधिक नुकसान हो रहा है।ग्रामीण एकजुट होकर बंदर को भगाने के लिए अभियान भी चलाते हैं।महज कुछ दिन तक बंदरों के आतंक से राहत तो मिलती है,लेकिन चंद दिनों में ही फिर बंदरों का आतंक शुरू हो जाता है।सब्जी-भाजी की फसल पर आक्रमण करते हैं।जिससे किसानों को परेशानी होती है।बंदरों के आतंक से परेशान होकर सब्जी उत्पादक किसान खेतों और बाड़ियों में सब्जी-भाजी की फसल लेना छोड़ रहे हैं।इससे आम आदमी को लोकल सब्जी नहीं मिल पा रही है और फार्म हाउसों से हरी सब्जी की सप्लाई होने से महंगाई आसमान छू रही है।क्षेत्र में बंदरों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत है।बंदर दौड़ाकर लोगों को काट रहे हैं।लोगों पर हमला करने के साथ ही बंदर घरों में रखी खाने पीने की चीजों को भी अपना निशाना बना रहे हैं।कीमती चीजों को बंदर घरों से उठाकर ले जाते हैं।बंदरों के आतंक से भयभीत महिलाओं को खाना बनाते समय डंडा लेकर बैठना पड़ता है।बंदरों से बचने के लिए पहरा परिजन देते हैं।बंदरों का डर इतना है कि छतों पर जाने वाले जीना के दरवाजे तक में ताला लगा दिया गया है।ताकि बच्चे छत पर न जाएं।बंदरों के भय से स्कूल आने-जाने वाले छात्र और बाहर खेलने वाले बच्चे घरों से निकलने में कतराने लगे हैं।महिलाओं ने भी घरेलू कार्यों से छतों पर जाना बंद कर दिया है।परेशान ग्रामीण अब पहरेदारी करने को मजबूर हैं।अगर कोई महिला छत पर जाती है तो उसके साथ एक-दो लोग और जाते हैं,ताकि सुरक्षा बनी रहे।

छतों पर व्यापक इंतजाम के बाद भी नहीं राहत

ग्रामीण अंचल में ज्यादातर सब्जी उत्पादक किसान रहते हैं। ऐसे किसान बंदरों के आतंक से हर समय परेशान रहते हैं।दिन में बंदर कभी भी खेतों पर फसल को और मकान के छतों पर घरेलू सामानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।गांव के लोगों ने सामान को बंदरों से बचाने के लिए छतों पर कांटा तार भी लगाया है।इसके बाद भी बंदर नुकसान करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

कुत्तों से भी नहीं डर रहे हैं बंदर

ग्रामीण अंचल में बंदरों का आतंक इस कदर हावी हो गया है कि वे कुत्तों पर भी झपट पड़ते हैं।कुत्तों पर कई बार बंदरों ने हमला कर दिया है।अब भय के कारण ही कुत्ते बंदरों के नजदीक नहीं जाते।कुछ साल पहले तक बंदरों को भगाने के लिए किसान कुत्ते पाल रहे थे।अब कुत्ते भी बंदरों को नहीं भगा पा रहे हैं।

पौधा उखाड़कर ले जाते हैं बंदर

ग्रामीण अनूप अंकित तिवारी ने कहा कि सब्जी की फसल में फल लगने से पहले ही बंदर पौधा उखाड़कर ले जाते हैं।इस बार मिर्च,टमाटर और भाटा के पौधों को बंदरों ने बर्बाद कर दिया।सब्जी फसल को बचाने के लिए ग्रामीणों ने एकजुट होकर भगाने का प्रयास भी किया।लेकिन एक दो दिन बाद बंदरों का आतंक फिर से शुरू हो जाता है।

फसल को चट कर जाते हैं बंदर

किसान दिनेश तिवारी,भोलू सिंह का कहना है कि बंदरों के आतंक से सभी लोग परेशान रहते हैं।कांटा तारों से घिरे खेतों पर रबी सीजन में सब्जी-भाजी की फसल लेते हैं।यहां मवेशी तो नहीं पहुंच पाते,लेकिन बंदर फसल को चट कर जाते हैं,जिससे किसानों को नुकसान होता है।ग्रामीण बंदर की समस्या से मुक्ति पाने के लिए हरसंभव प्रयास कर चुके,लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है।

करनी पड़ती है सब्जी फसल की रखवाली

ग्रामीण रीशू मिश्रा,शुभम सिंह का कहना है कि बंदर से परेशान होकर सब्जी-भाजी की फसल लेना ही छोड़ दिए हैं।सब्जियों को खाने के चक्कर में बंदर बाड़ी और घरों में प्रवेश कर टीनशेड़ सहित अन्य सामानों को क्षति पहुंचाते हैं।बंदरों के आक्रमण के कारण सब्जी की खेती करने पर दिन भर रखवाली करना पड़ता है,जिससे परेशानी होती है।

शहीदों की वीरता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का लक्ष्य : जयवीर सिंह

» सब का सपना संवाददाता

- लखनऊ के स्मृतिका वार मेमोरियल में 8.95 करोड़ रुपये की लागत से लाइट एंड साउंड शो की होगी शुरूआत

लखनऊ। मातृभूमि की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के बलिदान और वीरता को सम्मान देने के लिए अब लखनऊ के कैंटोनमेंट स्थित स्मृतिका वार मेमोरियल में एक अद्भुत लाइट और साउंड शो की शुरूआत होने जा रही है। इस परियोजना पर कुल 8.95 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसमें से 2 करोड़ रुपये की धनराशि पहले ही जारी कर दी गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस लेजर लाइट और साउंड शो के माध्यम से शहीदों के जीवन, उनके बलिदान और देश के प्रति उनकी निष्ठा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मंत्री ने कहा, इस शो के जरिये दर्शक न केवल मनोरंजन करेंगे, बल्कि वे राष्ट्रप्रेम की भावना से भी ओतप्रोत होंगे, और यह पहल युवाओं में देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना जागरूक करेगी।

मंत्री ने यह भी बताया कि लखनऊ, ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है और इस नई पहल से शहर का पर्यटन और भी आकर्षक बनेगा। स्मृतिका वार मेमोरियल में लाइट और साउंड शो पर्यटकों को ऐतिहासिक घटनाओं और शहीदों की वीरता की गाथाओं से अवगत कराएगा, जिससे लखनऊ को एक नया आयाम मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

किसानों को 30 जून तक मिलेगा घर बैठे फसल बेचने का मौका

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।किसान अब मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत दलहन और तिलहन की सरकारी खरीद की प्रक्रिया में घर बैठे शामिल हो सकते हैं। इस योजना में किसान 2 अप्रैल से 30 जून तक अपनी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सीधे सरकार को बेच सकते हैं।इस योजना का उद्देश्य किसानों को उचित दाम दिलाकर उनकी आय बढ़ाना है।किसान इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी फसलों का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं।

- केंद्र सरकार की बड़ी योजना के सफल क्रियान्वयन की तैयारी में योगी सरकार
- किसान हेल्पलाइन 18002101222 पर ली जा सकती है पूरी जानकारी

नेफेड को आवंटित जिले

लखनऊ, अयोध्या, झांसी, महोबा, हमीरपुर, जालौन, फतेहपुर, कानपुर देहात, प्रयागराज, कौशाम्बी, ललितपुर, सोनभद्र, जौनपुर, गाजीपुर, औरैया, बलिया, सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, अमेठी, वाराणसी, उन्नाव, मैनपुरी, अम्बेडकर नगर, फिरोजाबाद, फरुर्खाबाद, गोण्डा, बाराबंकी, संत रविदास नगर, बलरामपुर, संत कबीर नगर, सीतापुर, गोरखपुर, कासगंज, लखीमपुर खीरी, देवरिया, शाहजहांपुर, बुलंदशहर, श्रावस्ती, रामपुर, अलीगढ़, हाथरस, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजियाबाद, सहारनपुर, बदायूं, शामली, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़ एवं बिजनौर।

एनसीसीएफ को आवंटित जिले

बांदा, चित्रकूट, कानपुर नगर, मिजार्पुर, आजमगढ़, चन्दौली, मऊ, आगरा, कन्नौज, बस्ती, हरदोई, एटा, बहराइच, मथुरा, महराजगंज, बरेली, मेरठ, पीलीभीत, सम्भल, बागपत, अमरोहा।

ये समर्थन मूल्य है निर्धारित

- अरहर : 7,550 रुपए प्रति क्विंटल
- चना : 5,650 रुपए प्रति क्विंटल
- मसूर : 6,700 रुपए प्रति क्विंटल
- सरसों : 5,950 रुपए प्रति क्विंटल

तीन दिन में किया जाएगा भुगतान

नैफेड के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि आधार से लिंक बैंक खाते में तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान किया जाएगा। साथ ही फसल उत्पादन वाले जिलों में पीसीएफ, पीसीयू, जैफेड एवं यूपीएसएस के माध्यम से क्रय केंद्र बनाए जा रहे हैं। विस्तृत जानकारी के लिए किसान 18002101222 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। केंद्र सरकार और यूपी सरकार मिलकर इस विशेष योजना को संचालित कर रहे हैं।नेफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल इस पूरी योजना की मॉनिटरिंग खुद कर रहे हैं।

आवेदन करने से पहले इन सावधानियों का ध्यान रखें किसान

- आधार से लिंक बैंक खाता और मोबाइल नंबर पंजीकृत करें।
- आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल नंबर में नाम, पिता का नाम समान होना चाहिए।
- पंजीकरण के लिए सुविधा केंद्र या स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पंजीकरण के लिए पोर्टल:

नेफेड पोर्टल: https://esamridhi.in
एन.सी.सी.एफ पोर्टल: https://nccf.neml.in

जीवन का उत्थान है गीता समस्याओं का समाधान है गीता : स्वामी ज्ञानानंद जी

» सब का सपना संवाददाता

लालगंज रायबरेली: आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा आयोजित गीता प्रवचन कार्यक्रम के अंतिम दिन श्री कृष्णा कृपा सेवा समिति व जिओ गीता संस्था के संस्थापक स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन का उत्थान है गीता, समस्याओं का समाधान है गीता, उच्च चरित्र निर्माण है। गीता ,उन्होंने कृष्ण सुदामा के चरित्र का वर्णन बहुत ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया उन्होंने कहा कि हमें किसी भी परिस्थिति में विचलित होने की जरूरत नहीं होती उन्होंने यह भी कहा कि यही का लिया यही सब दिया और यही सब छोड़ कर जाना है' उपस्थित लोगो से 25 नवंबर को आयोजित होने वाले विशाल गीता महोत्सव लखनऊ में प्रतिभाग करने की अपील की।

श्रीमद्भागवत कथा में लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता व कांग्रेस के प्रांतीय नेता दीपेन्द्र गुप्ता ने भी पहुंचकर कथा श्रवण कर संत ज्ञानानंद जी महाराज से आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन आशीष प्रताप सिंह द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, कांग्रेस के प्रांतीय नेता दीपेन्द्र गुप्ता, डॉ ओपी सिंह, सुनील सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह ,धीरेंद्र सिंह ,पद्मधर सिंह, अशोक सिंह, रामबाबू गुप्ता, संजीव त्रिवेदी, पीके गुप्ता, पवन सिंह राम प्रकाश शुक्ला, राम भोले शुक्ला, उमेश सिंह श्रीवास्तव , विकास त्रिवेदी, राणा प्रताप गुप्ता , रमाकांत शुक्ला ,चंद्र प्रकाश तिवारी, अजय पांडे ,राजेश फौजी, यतीन सिंह, रमा बाजपेई ,सुरेश सिंह, डॉक्टर एमडी सिंह आदि मौजूद रहे।

2024-25 वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग ने नया कीर्तिमान स्थापित किया : नितिन अग्रवाल

» सब का सपना संवाददाता

- आबकारी मंत्री ने कहा : 2017 तक प्रदेश में आबकारी विभाग का राजस्व 14 हजार करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 52,297 करोड़ रुपये तक पहुंचा

लखनऊ। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 2024-25 वित्तीय वर्ष के समाप्त होने पर कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग ने अभूतपूर्व राजस्व अर्जित किया, जो विभाग की प्रभावी नीतियों और तकनीकी सुधारों की सफलता का प्रमाण है।

मंत्री ने कहा, ₹2017 तक प्रदेश में आबकारी विभाग का राजस्व 14,000 करोड़ रुपये था, लेकिन 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 52,297 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह विभाग की कार्यप्रणाली में हुए बदलाव और तकनीकी सुधारों का परिणाम है।₹ उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में शीरा और एथेनॉल का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ₹2023-24 में 527 लाख कुंतल शीरा और 176 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ था। अब विभाग का लक्ष्य 2024-25 में एथेनॉल का उत्पादन 200 करोड़ लीटर तक पहुंचाने का है।

इसके अतिरिक्त, मंत्री ने शराब की दुकानों की लॉटरी के दूसरे चरण की समाप्ति की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में जहरीली शराब की कोई भी घटना नहीं हुई है, जो प्रवर्तन कार्यवाही की सफलता को दशार्ता है। ₹हमने प्रवर्तन कार्यवाही को और मजबूत किया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों में 112,279 प्रवर्तन अभियोग पंजीकृत किए गए हैं।

उन्होंने कहा, यह सभी आंकड़े और सुधार उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग की सख्त नीति और शासन की प्रभावशीलता को दशार्ते हैं, जो राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देती है।

श्रीमती प्रेमवती ने यू.एस. मेमोरियल नर्सिंग होम का फीता काटकर किया उद्घाटन

मरीजों का आधुनिक मशीनों से किया जायेगा इलाज- डॉ वी.पी. सिंह

» सब का सपना संवाददाता

लालगंज रायबरेली 3 अप्रैल। कस्बे के बासूगढी बृजेन्द्र नगर में यू.एस. मेमोरियल नर्सिंग होम का उद्घाटन प्रेमवती सिंह पत्नी स्व. उमा शंकर सिंह ने फीता काटकर किया। संचालक डॉ0 वी. पी. सिंह ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने में नर्सिंग होम मील का पत्थर साबित होगा।

इस तरह के नर्सिंग होम के खुलने से क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। लोगों को अब शहर जैसी सुविधा इस नर्सिंग होम में ही मिलेगा।

इस नर्सिंग होम के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा क्षेत्र के लोगों को सही एवं त्वरित इलाज देने की पूरी कोशिश की जायेगी। अब इलाज के लिए इधर उधर जाने की जरुरत नहीं होगी।

यहां के मरीजों को छोटी सी छोटी बीमारियों के लिए रायबरेली व लखनऊ और कानपुर की दौड़ लगानी पड़ती थी। नजदीक जब सारी सुविधा मुहैया हो जायेगी तो उन्हें दूर जाने की जरूरत ही नहीं पडेगी।

मरीजों को आधुनिक मशीनों से जांच कर बेहतरीन इलाज किया जायेगा। नर्सिंग होम के द्वारा बीपीएल व गरीबों के लिए मात्र..... रुपये की फीस में डाक्टर से सलाह लेने की व्यवस्था सराहनीय है। नर्सिंग होम के उद्घाटन पर विजय प्रताप सिंह पप्पू लोहिया, राजेश सिंह फौजी, दिनेश सिंह, देश दीपक पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना, पत्रकार शीतल गुप्ता, सिद्धार्थ त्रिवेदी डॉ0अरविंद सिंह,

डॉ0 ए बी सिंह, रवि शंकर दुबे श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल लखनऊ के नेत्र सर्जन डॉ जमाल अहमद, डॉ ए. वी. सिंह आशीष प्रताप सिंह, टी के शुक्ला पत्रकार, रामेंद्र कुमार सिंह एडवोकेट, शिवम पांडेय, डॉ अमित सिंह, डॉ धीरेन्द्र सिंह, विश्वास बहादुर सिंह प्रोफेसर अविनाश सिंह आप सिंह अवनेंद्र सिंह पवन सिंह अनंत विजय सिंह आदि ने हवन पूजन कर लोक कल्याण की कामना की।

प्राथमिक विद्यालय में गंदगी के बीच नौनिहाल पढ़ने को मजबूर, शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही

विद्यालय परिसर बना जानवरों का तबेला, जगह-जगह गोबर और कूड़े का लगा अंबार

» सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। विकास खण्ड काकोरी के प्राथमिक विद्यालय आदमपुर इंद्रवारा, तहसील सरोजनीनगर, लखनऊ में बच्चों को गंदगी के बीच पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस विद्यालय का परिसर जानवरों का तबेला बन चुका है, जहां जगह-जगह गोबर और कूड़े का अंबार लगा हुआ है। हालात इतने खराब हैं कि बच्चों को न केवल गंदगी से जूझना पड़ रहा है, बल्कि विद्यालय में जानवर भी बांधे जा रहे हैं, जो उनकी सुरक्षा और स्वच्छता को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कई बार इस स्थिति को लेकर लिखित शिकायतें की गईं, लेकिन शिक्षा विभाग, ब्लॉक और तहसील के अधिकारियों की लापरवाही के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विद्यालय परिसर में दबंगों द्वारा जानवरों को बांधने की घटनाएं आम हो चुकी हैं, जबकि स्कूल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए हैं।

शिक्षा विभाग की इस लापरवाही ने बच्चों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार हर बच्चे का है, लेकिन यहां के नौनिहालों को गंदगी और असुरक्षित परिस्थितियों में शिक्षा लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो यह स्थिति बच्चों की शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

आरेडिका ने वित्तवर्ष 2024-25 में सर्वाधिक कोच उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड

» सब का सपना संवाददाता

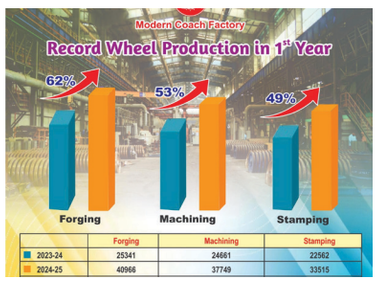

लालगंज/रायबरेली: आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2025 कोचों का उत्पादन कर अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। कोविड-19 के बाद आरेडिका पिछले 2 वर्षों से लगातार कोच उत्पादन के नये आयाम स्थापित कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में एमसीएफ ने 1684 कोच बनाएं थे, यह वित्तीय वर्ष 2022-23 के मुकाबले 16% अधिक था। इसी कडी को आगे बढाते हुए आरेडिका ने वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 2025 कोच का उत्पादन कर पिछले वर्ष से 20% ज्यादा कोच बनाये। इन 2025 कोचों में विभिन्न प्रकार के कोच हैं जिसमें दीनदयालु के 582 कोच, स्लीपर के 500 कोच, 3टीयर इकोनोमिक के 300 कोच, वातानुकूलित 3टीयर के 276 कोच, जनरल चेयर कार 112, पावर कार 80कोच, 2टीयर के 60 कोच, दिव्यांगजनो के लिए 46 कोच, मेमू के 20 कोच, तेजस के 21 कोच, पार्सलवैन 14, एसी चेयरकार तथा अन्य 14 कोचों का निर्माण किया गया है।

भारतीय रेल द्वारा रेल यात्रा में आर्थिक रूप से सामान्य व मध्यम वर्ग के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए जनरल सीटिंग और स्लीपर श्रेणी के कोचों की संख्या लगातार बढाई जा रही है इसीलिए आरेडिका ने इस वर्ष बनने वाले 2025 कोचों में 1274 कोच सामान्य जनरल एवं स्लीपर के बनाये जिससे सामान्य व गरीब वर्ग सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा कर सकें जो कुल उत्पादन का 63% हैं

निर्मित कोचों में 751 एसी कोच तथा 1274 नॉन एसी कोच है जो निर्माण कार्य की दक्षता और गुणवत्ता को दशार्ता है। निर्माण कार्य के अंतर्गत प्रत्येक स्तर पर कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को बनाए रखने में आरेडिका के विभिन्न विभागों का सामंजस्य रहा है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आरेडिका ने जनरल कोच(दीनदयाल) के 582 कोचों का निर्माण किया है जो पिछले वर्ष 2023-24 में बने 332 कोच से लगभग 75% अधिक है, स्लीपर के 500 कोचों का निर्माण किया है जो पिछले वर्ष में बने 341 कोच से 47% अधिक है तथा जनरल चेयर कार के 112 कोचों का निर्माण किया है । 3 टीयर एसी एवं इकोनॉमी के 576 कोचों का निर्माण किया जो पिछले वर्ष में बने 511 कोच से 13% अधिक है। दिव्यांगजनों के लिए 46 कोच का निर्माण किया गया जो पिछले वर्ष बने 29 कोच से 59% अधिक है।

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन का यह लक्ष्य आरेडिका के सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में टीम एमसीएफ के कोच उत्पादन के प्रति समर्पण की भावना से संभव हुआ है तथा आने वाले वर्ष में आरेडिका में मेमू, वन्देभारत ट्रेन सेट्स का उत्पादन किया जायेगा। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियनों के प्रतिनिधियों, एवं संविदा कर्मचारियों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

आरेडिका ने अपने पहले ही वर्ष में किया व्हीलों का रिकॉर्ड उत्पादन

इस वित्त वर्ष 2024-25 में रेलवे ने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का अधिग्रहण किया। आत्मनिर्भर भारत के सफर में अपने उत्कृष्ट उत्पादों एवं अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देकर फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाया है। आरेडिका एलएचवी एवं लोको व्हीलों का उत्पादन कर रहा है फोर्ज्ड व्हीलों के लिए इस वर्ष आरेडिका को 35000 फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है जिसके सापेक्ष में 40966 पहियों की फोर्जिंग की गई जो पिछले वर्ष से 62 प्रतिशत अधिक है, एवं 33515 फिनिशिड पहियों (क्वालिटी जॉच में पास) का उत्पादन किया गया जो पिछले वर्ष से 49 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय में फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के अधिग्रहण के बाद आरेडिका ने पहियों के उत्पादन को लगातार बढाया और मार्च 2025 में अभी तक के किसी महीने का सर्वाधिक उत्पादन किया गया जिसमें 5809 पहियों की फोर्जिंग, 4964 पहियों की मशीनिंग एवं 4222 पहियों को क्वालिटी जॉच में पास किया गया।

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि, फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के अधिग्रहण के बाद आरेडिका ने व्हीलों के उत्पादन को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और व्हीलों के उत्पादन को बढाने के लिए आरेडिका के अनुभवी एवं कुशल के अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने प्लाण्ट का अध्ययन किया तथा व्हीलों के निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री, मशीनों एवं कार्यदक्ष मानवशक्ति प्रबंधन की उचित योजना बनाई गयी। जिसके फलस्वरूप आरेडिका ने इस वर्ष 40966 पहियों की फोर्जिंग, 37749 पहियों की मशीनिंग, 33515 पहियों की स्टैपिंग की है। यह सब टीम के व्हीलों के उत्पादन के प्रति समर्पण की भावना से संभव हुआ है।

फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का निधन

दिग्गज फिल्म अभिनेता निर्देशक मनोज कुमार का निधन हो गया है. 87 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली. कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उनका निधन हुआ.

इंडियन सिनेमा के दिग्गज एक्टर और फिल्म डायरेक्टर मनोज कुमार का निधन हो गया है. मनोज कुमार को खासतौर पर उनकी देशभक्ति के लिए जाना जाता था. इसके अलावा उन्हें भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता है. दिग्गज एक्टर ने 87 साल की उम्र में आखिरी सांस ली. मनोज कुमार का निधन मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल हुआ. मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया, उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थीं. यह भगवान की कृपा है कि उन्होंने शांतिपूर्वक इस दुनिया को अलविदा कह दिया. उनका अंतिम संस्कार कल होगा.

24 जुलाई 1937 को हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी के रूप में जन्मे मनोज कुमार सभी कलाकारों के लिए एक प्रेरणा थे. मनोज कुमार ने देशभक्ति पर बनने वाली कई फिल्मों में एक्टिंग करने के साथ-साथ उन्हें डायरेक्ट भी किया था, जिनमें शहीद (1965), उपकार (1967), पूरब और पश्चिम (1970), और रोटी कपड़ा और मकान (1974) शामिल हैं.

दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए मनोज कुमार को 1992 में पद्मश्री और 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. अपने काम से उन्होंने सभी का दिल जीता. अपनी देशभक्ति फिल्मों के अलावा, उन्होंने हरियाली और रास्ता, वो कौन थी, हिमालय की गोद में, दो बदन, पत्थर के सनम, नील कमल और क्रांति जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में भी एक्टिंग की और उन्हें डायरेक्ट भी किया.

प्रधानमंत्री ने जाहिर किया दुख

पीएम मोदी ने भी मनोज कुमार के निधन पर दुख जाहिर करते हुए एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने दिग्गज एक्टर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, महान अभिनेता और फिल्ममेकर श्री मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुख हुआ. वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे.

1000 करोड़ी फिल्म के बाद

अल्लू अर्जुन के साथ दिखेंगी प्रियंका चोपड़ा!

साउथ और बॉलीवुड वाले मिलकर कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं. लंबे वक्त से हिंदी सिनेमा से दूर प्रियंका चोपड़ा इस समय राजामौली की फिल्म SSMB29 पर काम कर रही हैं. महेश बाबू के अपोजिट वो दिखेंगी. एक्ट्रेस का नेगेटिव रोल होने वाला है. हाल ही में एक शेड्यूल खत्म कर वो बेटी से वापस मिलने लौटी हैं. इसी बीच खबर है कि उन्हें अल्लू अर्जुन की फिल्म मिल गई है.

अल्लू अर्जुन के अपोजिट होंगी प्रियंका?

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया था. दुनियाभर से 1800 करोड़ से ज्यादा की कमाई हुई थी. इसी बीच उनके खाते में दो बड़ी फिल्में आ गई हैं. पहली त्रिविक्रम श्रीनिवास और दूसरी एटली के साथ होगी. हालांकि, एटली की फिल्म तो लंबे वक्त से चर्चा में है. हाल ही में बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड पर एक खबर छपी. इसके मुताबिक, एटली अपनी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा को लेना चाहते हैं. इस हाई बजट एक्शन फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा बतौर फीमेल लीड परफेक्ट हैं. दरअसल डायरेक्टर को लगता है कि प्रियंका का ग्लोबल स्टारडम उन्हें फिल्म के लिए फिट बनाता है. यूं तो फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने अबतक हामी नहीं भरी है, लेकिन ऐसा होता है तो यह बड़ा कोलैबरेशन होगा.

एटली की फिल्म का काम?

एटली लंबे वक्त से इस फिल्म पर काम कर रहे हैं. उन्होंने शाहरुख खान की ह्यजवानह्ल में काम किया था. वहीं, तब से ही सलमान खान के साथ फिल्म को लेकर बातचीत चल रही थी. पर वहां मामला बन नहीं पाया. ऐसे में अब अल्लू अर्जुन के साथ मिलकर फिल्म पर काम किया जा रहा है. फिल्म में प्रियंका चोपड़ा को लेने की बात चल रही है. अगर बात बनती है, तो दो टॉप क्लास स्टार्स एक साथ परफॉर्म करते दिखेंगे.

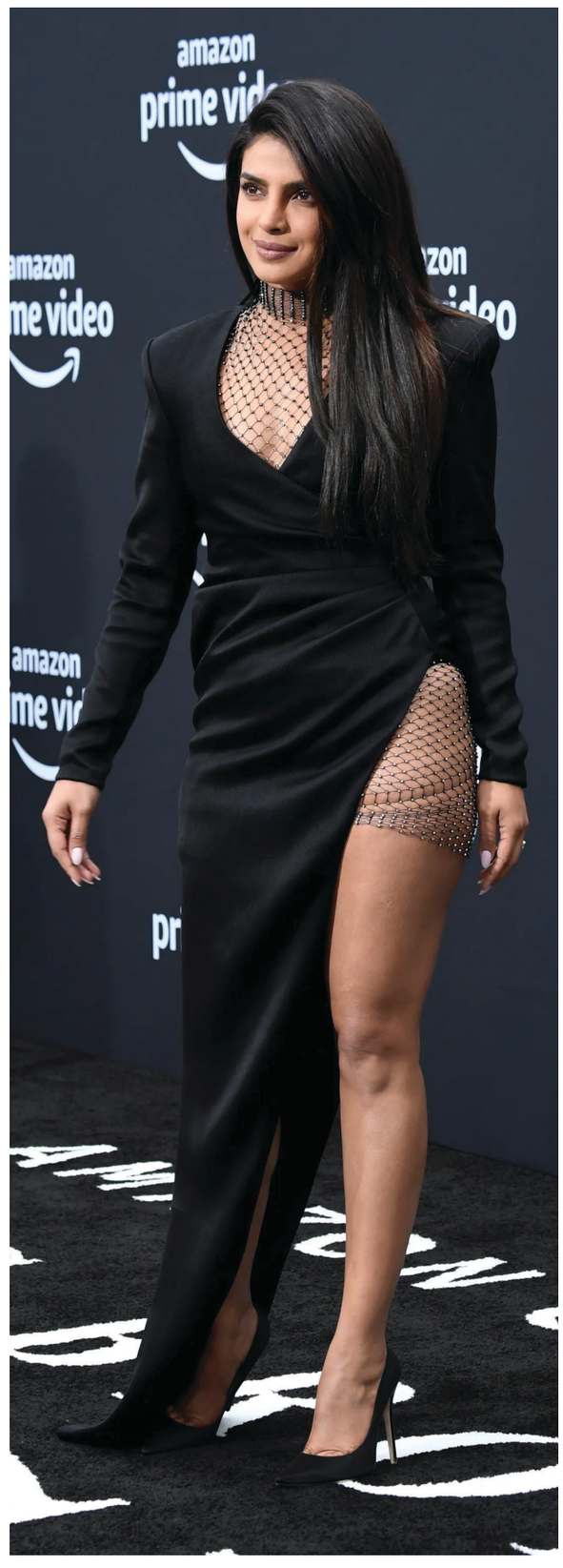

अक्षय की केसरी चैप्टर 2 में कौन है जनरल डायर?

अक्षय कुमार फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' से चचाओं में बने हुए है. जल्द रिलीज होने जा रही इस फिल्म में अक्षय और आर माधवन वकील बनकर कोर्ट रूम में एक दूसरे के खिलाफ होंगे. वहीं जनरल डायर की भूमिका निभाने वाले एक्टर ने भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अक्षय की फिल्म में जनरल डायर का किरदार निभाने वाला एक्टर आखिर कौन है?

अक्षय कुमार अपनी एक और फिल्म ह्यकेसरी चैप्टर 2ह्ल लेकर हाजिर हो रहे हैं. केसरी चैप्टर 2 का ट्रेलर दखने के बाद हर किसी को लग रहा है कि इस बार अक्षय कुमार कमाल करेंगे. अक्षय की ये फिल्म जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है. वहीं आर माधवन को भी काफी पसंद किया जा रहा है.

अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ इस फिल्म में अनन्या पांडे भी लीड रोल निभा रही हैं. वहीं एक और किरदार ने फैंस का ध्यान खींचा है. और वो है जनरल डायर. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अक्षय की फिल्म में जनरल डायर का किरदार निभाने वाला एक्टर आखिर कौन है?

केसरी चैप्टर 2 जलियांवाला बाग कांड की अनकही कहानी कहती हुई नजर आएगी. भारत में ब्रिटिश हुकूमत के दौरान जनरल डायर ने अमृतसर में साल 1919 में जलियांवाला बाग में बैसाखी मनाने आई भीड़ पर ताबड़तोड़ गोलियां चलवाई थी. इसमें सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था. उस क्रूर ब्रिटिश अधिकारी के लिए केसरी चैप्टर 2 के मेकर्स ने ब्रिटिश एक्टर साइमन पैस्ले डे को कास्ट किया.

खेल

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर निगाह

मुल्लांपुर (भाषा) राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे। जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया।

बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।

जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था। सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती।

रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे।

रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। यही नहीं अय्यर ने अपने कप्तानी कौशल का भी शानदार नमूना पेश किया है। उन्होंने पहले दो मैच में जिस तरह से ग्लेन मैक्सवेल का स्पिन गेंदबाज के रूप के रूप में इस्तेमाल किया, वह सराहनीय है। जहां तक राजस्थान रॉयल्स का सवाल है तो संजू सैमसन की कप्तान के रूप में वापसी से उसकी टीम का हौसला बढ़ेगा लेकिन पंजाब किंग्स के विजय अभियान पर रोक लगाने के लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं: पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन हार्डी, मार्को जानसन, ग्लेन मैक्सवेल, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, लॉकी फर्ग्यूसन। हरप्रीत बराड़, कुलदीप सेन, विजयकुमार वैश्य, यश ठाकुर।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

न्यूज ब्रीफ

ईस्पोर्ट्स 2025 केआईवाईजी में प्रदर्शनी खेल के रूप में शुरूआत करेगा

नयी दिल्ली (भाषा) ईस्पोर्ट्स बिहार में चार से 15 मई तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया युवा खेल (केआईवाईजी) में प्रदर्शनी खेल के रूप में शुरूआत करेगा।

केआईवाईजी 2025 इस टूनार्मेंट का सातवां चरण है जिसकी मेजबानी बिहार के पांच शहर (पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय) करेंगे। इस दौरान निशानेबाजी, जिम्नास्टिक और साइकिलिंग की ट्रैक स्पधाओं का आयोजन नयी दिल्ली में होगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, ह्यह्यखेलो इंडिया युवा खेल 2025 का आयोजन बिहार में होगा, जहां ईस्पोर्ट्स एक प्रदर्शनी खेल के रूप में अपनी शुरूआत करेगा। उन्होंने बताया, इस आयोजन में 28 खेल शामिल होंगे जिसमें, 27 प्रतिस्पर्धी और ईस्पोर्ट्स प्रदर्शनी खेल के तौर पर शामिल होगा।
इन खेलों में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, गटका, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कलरीपयट्टु, खो-खो, मल्लखंभ, निशानेबाजी, तैराकी, सेपकटकरा, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-टा, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती, योगासन और रग्बी के साथ प्रदर्शनी खेल के तौर पर ईस्पोर्ट्स शामिल है। ईस्पोर्ट्स ने इंडोनेशिया (जकार्ता और पालेमबांग) में 2018 एशियाई खेलों में एक प्रदर्शनी खेल के रूप में शुरूआत की, और 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में एक पदक खेल बन गया।

नीरज 24 मई को स्टार खिलाड़ियों से सुसज्जित वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे

नयी दिल्ली (भाषा) भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्टार खिलाड़ियों से सजी वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में शिरकत करेंगे जिसका आयोजन 24 मई को पंचकुला में होगा।

इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। विश्व एथलेटिक्स की वेबसाइट ने हालांकि इस स्पर्धा को अपने ह्यकॉन्टिनेंटल टूरह्ल के तौर पर सूचीबद्ध नहीं किया है। यह कैलेंडर हालांकि सत्र की शुरूआत से पहले लगाया गया था।

इससे पहले जनवरी में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने इस स्पर्धा का समर्थन करते हुए कहा था कि इससे भारत की शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की काबिलियत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी।

इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में चोपड़ा भी शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के साथ मिलकर उन्होंने इस प्रतियोगिता को देश में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नूर सभी से सीखने की कोशिश कर रहा है, वह अच्छी 'रॉन्ग उन' डालता है : कुलदीप

चेन्नई (भाषा) दुनिया के शीर्ष बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने युवा अफगान गेंदबाज नूर अहमद की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों के लिए उनकी तेज गति वाली गुगली को समझना काफी मुश्किल है। कुलदीप और नूर अपनी-अपनी टीम के लिए अच्छी फॉर्म में हैं और शनिवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में काफी कुछ इन दोनों के प्रदर्शन पर निर्भर होगा।

जहां कुलदीप ने तीन मैच में छह से कम की इकॉनमी रेट से पांच विकेट लिए हैं, वहीं नूर इस दौरान नौ विकेट झटके है। वह 6.83 की इकॉनमी रेट के साथ विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं।

कुलदीप ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, वह वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और मैं उसे व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वह ऐसा गेंदबाज है जो सभी से सीखने की कोशिश कर रहा है। कल रात भी हमारी बातचीत हुई थी। मैं उसके साथ बैठा था और हमने लेग-स्पिन के बारे में बातचीत की थी। भारत के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, और जाहिर है उसके पास एक शानदार ह्यरॉन्ग उनह्ल गेंद है और इस तरह की गति के साथ बल्लेबाज के लिए उनकी गेंद को समझना बहुत मुश्किल है। कुलदीप ने कहा, खासकर जब आप चेन्नई में खेलते हैं तो किसी भी कलाई के स्पिनर के खिलाफ रन बनाना हमेशा बहुत मुश्किल होता है।

कुलदीप ने केकेआर के वरुण चक्रवर्ती की भी बहुत तारीफ की जो भारत की टी20 टीम का एक अहम सदस्य बन गया है।

उन्होंने कहा, वरुण पिछले एक साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जाहिर है, वह पिछले कुछ साल से केकेआर के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इस पल तक आने के लिए बहुत अच्छा खेल दिखाया है।

विश्व मुक्केबाजी कप: हितेश का खिताब पक्का, जादूमणि और विशाल ने किया निराश

नयी दिल्ली (भाषा) राष्ट्रीय चैंपियन हितेश शानदार रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए 70 किग्रा के मुकाबले में फ्रांस के माकन ट्रोरे को 5-0 से हराकर विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए।

भारतीय मुक्केबाज ने ब्राजील के फोज डू इगुआकु में हो रहे इस आयोजन में शुरूआत में ओलंपियन ट्रोरे के खिलाफ सतर्क रुख अपनाया, लेकिन जवाबी हमला करने के मौके की हमेशा तलाश में रहे। हितेश इस रणनीति से मुकाबले की गति को नियंत्रित करने में सफल रहे। फाइनल में उनके सामने इंग्लैंड के ओडेल कामरा की चुनौती होगी। अन्य भारतीयों में जादूमणि सिंह मंडेंगबाम ने पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन उज्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव को कड़ी टक्कर दी।

खेल मंत्रालय ने अदालत को बताया

एआईएफएफ के महासचिव के रूप में अनिलकुमार की नियुक्ति अनुचित

नयी दिल्ली (भाषा) खेल मंत्रालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि अनिलकुमार प्रभाकरन को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति में चुने जाने के बाद महासचिव बनने की अनुमति नहीं है। खेल मंत्रालय ने कहा कि यह बात उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश में कही गई है।

बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रभाकरन की एआईएफएफ महासचिव के रूप में नियुक्ति पर रोक लगा दी जिसमें मंत्रालय के 2022 के निर्देश का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। मंत्रालय के निर्देश का उद्देश्य निर्वाचित पदों पर आसीन व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय खेल संहिता में प्रदत्त आयु और कार्यकाल संबंधी पांबदियों का उल्लंघन रोकने का था।

दिल्ली फुटबॉल क्लब के निदेशक रंजीत बजाज की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आठ अप्रैल को अगली सुनवाई तक एआईएफएफ महासचिव के रूप में प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगा दी।

एआईएफएफ ने केरल के रहने वाले प्रभाकरन को जुलाई 2024 में अपना महासचिव नियुक्त किया था। इससे पहले उन्हें सितंबर 2022 में हुए एआईएफएफ चुनावों में कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया था।